04 - राज्यपालों को संवैधानिक गरिमा बनाए रखने की जरूरत

05 - केवल पौधे लगा देने से पेड़ काटने की भरपाई संभव नहीं

06 - राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं से बढ़ा तापमान...

07 - भाजपा सक्रिय सदस्य सम्मेलन में सांसद माया नारोलिया ने...

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 11 अप्रैल, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 181, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सीपीएम की दिक्कत धार्मिक आस्था नहीं, चीन-रूस के लिए जुनून है..

डीके सिंह

लोग उम्मीद करते हैं कि कॉमरेड सर्वहारा वर्ग की तरह जिएंगे, जिसके लिए वह कथित तौर पर जीते हैं और लड़ते हैं। एक वक्त था जब वामपंथी समर्थित यूपीए सरकार के दौरान सीपीआई(एम) के महासचिव के रूप में अपनी शक्ति के चरम पर प्रकाश करात का जीवन अक्सर राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन जाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने पर बहस की तरह ही, अक्सर इस बात का जिक्र होता था कि कैसे करात को एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी में अपनी फीस भरने के लिए अपनी जावा मोटरसाइकिल बेचनी पड़ी थी। तब भी, उनके कुछ विरोधी थे- '1960 के दशक में कितने गरीब लोगों के पास जावा मोटरसाइकिल थी?'

1951-52 में स्वतंत्र भारत में पहले आम चुनावों में सीपीआई ने 16 सीटें जीती थीं। 1962 में यह संख्या बढ़कर 29 और 2004 में सीपीआई (एम) के रूप में 43 सीटें हो गईं। इस प्रकाश में, सबसे बड़ी वामपंथी पार्टी अब एक तरह से लुप्त हो गई है–2019 में 3 और 2024 में 4। पार्टी की मसौदा राजनीतिक संगठनात्मक रिपोर्ट के अनुसार, सीपीआई (एम) की सदस्यता 2021 में 9.85 लाख से बढ़कर 2024 में 10.19 लाख हो गई है। अगर आप सभी सीपीआई (एम) सदस्यों को एक लोकसभा क्षेत्र, तेलंगाना के मलकानगिरि में रखते हैं, तो सब मिलकर भी मुश्किल से भाजपा उम्मीदवार ईटेला राजेंद्र को हरा पाएंगे, जिन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों में 9.91 लाख वोट मिले थे।

योगेंद्र यादव ने 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद अपने लेख की शुरुआत इस तरह की थी, 'वामपंथ खत्म हो चुका है। वामपंथ जिंदाबाद। हैरानी की बात यह नहीं है कि रूढ़िवादी वामपंथ एक गतिरोध का सामना कर रहा है; हैरानी की बात यह है कि सोवियत संघ के पतन के लगभग तीन दशक बाद भी यह बचा हुआ है।'

क्या यादव द्वारा वामपंथ की मृत्यु की घोषणा के बाद पिछले छह सालों में वामपंथ में कुछ बदलाव आया है? क्या इसने कोई सबक सीखा है? तमिलनाडु के मदुरै में रविवार को समाप्त हुई पार्टी की पांच दिवसीय 24वीं कांग्रेस में चर्चा किए गए राजनीतिक संकल्प को देखें, तो बिल्कुल नहीं।

इस मसौदा प्रस्ताव को पार्टी की केंद्रीय समिति (सीसी) ने जनवरी में अपनी कोलकाता बैठक में अपनाया था। मदुरै में पार्टी कांग्रेस में इसमें 174 संशोधन किए गए थे, जिनका विवरण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन मसौदा प्रस्ताव को पढ़िए और आपको पता चल जाएगा कि आज भारत में सीपीआई (एम) राजनीतिक हाशिये पर क्यों है। 'हिंदुत्व-कॉर्पोरेट-सत्तावादी' मोदी सरकार और 'नव-फासीवादी विशेषताओं' जैसी टेढ़ी-मेढ़ी राजनीति को नजरअंदाज़ करें। देखिए कि तेज़ी से बदलती वैश्विक भू-रणनीतिक स्थितियों में राष्ट्रीय मूड को मापने के मामले में पार्टी किस तरह समय में जमी हुई दिखती है- दस्तावेज़ में लिखा है, 'अमेरिका यूक्रेन का इस्तेमाल रूस को कमज़ोर करने और उसे नियंत्रित करने के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए कर रहा है। रूस कई विकासशील देशों, खासकर चीन और भारत के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों और व्यापार के कारण प्रतिबंधों के जाल से बच निकलने में सक्षम था।'

क्या सीपीआई (एम) रूस-यूक्रेन संकट से निपटने के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सराहना कर रही है? प्रस्ताव में कहा गया है, 'अमेरिका जी-7 और नाटो जैसे अपने गठबंधनों को मजबूत करके और कई नए गठबंधन बनाने की कोशिश करके रूस और चीन के बढ़ते दबदबे का मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है।' इन सभी हमलों और उनका सामना करने के बावजूद, चीन विश्व अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा विकास इंजन बना हुआ है '150 से अधिक देश और 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल हो गए हैं' सीपीआई (एम) सभी समाजवादी देशों- चीन, वियतनाम, क्यूबा, डीपीआरके और लाओस के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करती है।'

डोकलाम या गलवान पर एक शब्द भी नहीं। चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने पर एक शब्द भी नहीं। यहां एक बात ध्यान देने योग्य है- ये बातें उस मसौदा प्रस्ताव में थीं जो स्पष्ट रूप से ट्रंप के औपचारिक रूप से सीपीआई(एम) पार्टी कांग्रेस में सभी चर्चाएं पूर्वानुमानित थीं। पार्टी इस बात पर चर्चा कर रही है कि आरएसएस समाज में 'बढ़ती धार्मिकता' का कैसे उपयोग कर रहा है और कैसे यह समझाने की ज़रूरत है कि पार्टी किसी की आस्था के खिलाफ नहीं है, बल्कि राजनीति के लिए धार्मिक विश्वासों के उपयोग के विरुद्ध है, लेकिन जैसा कि प्रकाश करात ने हाल ही में एक इंटरव्यू में स्वीकार किया, पार्टी 'इसे ठीक से कैसे करना है, यह पता नहीं कर पाई है।'

'देखिए कि भाजपा की फ्रीबीज़ के ज़रिए महिलाओं के वोट पाने की क्षमता के बारे में वामपंथी कितने भ्रमित हैं- पार्टी के मुताबिक छोटी-छोटी रकम भी महिलाओं के जीवन में काफी अंतर लाती है और मतदान पैटर्न पर राजनीतिक प्रभाव डालती है। महिलाओं के बीच ऐसी योजनाओं के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया के प्रति हमारा हस्तक्षेप संवेदनशील होना चाहिए।'

मसौदे के प्रस्ताव के अनुसार, सीपीआई (एम) चुनावों में भाजपा की तीन-आयामी रणनीति से परिचित है- ध्रुवीकरण पैदा करने और अखिल हिंदू पहचान को मजबूत करने के लिए हिंदुत्व के मुद्दों का आक्रामक उपयोग, चुनावी लाभ के लिए जाति और उपजाति गठबंधन बनाना, और लाभार्थियों को आकर्षित करने के लिए राज्य द्वारा वित्तपोषित प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजनाओं का उपयोग करना। तो, सीपीआई(एम) इसका मुकाबला कैसे करेगी? राजनीतिक प्रस्ताव इस बात की भी सराहना करता है कि कांग्रेस किस तरह से पूरे देश में मुस्लिम अल्पसंख्यकों का समर्थन हासिल करने में सफल रही है।

प्रस्ताव में कहा गया है, 'कांग्रेस पार्टी भाजपा के समान ही वर्ग हितों का प्रतिनिधित्व करती है। 63 पन्नों के पार्टी प्रस्ताव में मध्यम वर्ग का सिर्फ एक बार ज़िक्र किया गया है, जबकि मजदूर वर्ग, किसान, कारीगर, छोटे दुकानदार, मध्यम वर्ग और बुद्धिजीवियों के हितों की रक्षा करने की बात की गई है। सच तो यह है कि भारत की वामपंथी पार्टियां आज भी रूस और चीन को अपना मार्गदर्शक मानती हैं, वह आज भारत में गंभीरता से लिए जाने की उम्मीद नहीं कर सकती। मदुरै में पांच दिनों तक इकट्ठा हुए कॉमरेड एक बार फिर मुख्य मुद्दे को टाल गए हैं- क्या 2025 का भारत कार्ल मार्क्स के बारे में परवाह करता है? कॉमरेड जवाब नहीं देंगे क्योंकि उनके पास कोई जवाब नहीं है।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

सूने घर में किस तरह सहेजूँ मन को।

पहले तो लगा कि अब आईं तुम, आकर
अब हँसी की लहरें काँपी दीवारों पर
खिड़कियाँ खुलीं अब लिये किसी आनन को।

पर कोई आया गया न कोई बोला
खुद मैंने ही घर का दरवाजा खोला
आदतवश आवाजें दीं सूनेपन को।

फिर घर की खामोशी भर आई मन में
चूड़ियाँ खनकती नहीं कहीं आँगन में
उच्छ्वास छोड़कर ताका शून्य गगन को।

पूरा घर अँधियारा, गुमसुम साए हैं
कमरे के कोने पास खिसक आए हैं
सूने घर में किस तरह सहेजूँ मन को।

- दुष्यंत कुमार

एमपी में 33 हजार करोड़ के 5 इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेंगे : गडकरी

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अटल जी का देश के कायाकल्प का स्वप्न हो रहा है साकार : मुख्यमंत्री

धार (प्रतिनिधि)। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को जिले के बदनावर के ग्राम खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में 5800 करोड़ रूपए की लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं एवं संबद्ध अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। यहां तेजी से विकास हो रहा है। सबको सुखी, समृद्ध और सशक्त बनाने का विजन लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव बड़ी तेजी से प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्ग सिर्फ एक मार्ग नहीं, यह जन-जन का जीवन बदलने वाले प्रगति पथ होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 सालों में हम देश की अधोसंरचना में व्यापक बदलाव लेकर आए हैं। देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है, इसमें मध्यप्रदेश की भागीदारी भी होगी। म.प्र. में विकास की ललक दिखाई देती है, इसलिए हम इसे देश के विकास का सबसे बड़ा अंशभागी राज्य बनायेंगे।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने घोषणा करते हुए कहा कि अगले तीन साल में हम मध्यप्रदेश में उपलब्ध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से अच्छा और सुंदर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि अगले एक साल में हम देश में तीन लाख करोड़ रूपए से अधिक के राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य अधोसंरचना निर्माण कार्य पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश-प्रदेश के विकास के लिए 4 प्रमुख संसाधनों जल, ऊर्जा, परिवहन और अधोसंरचनात्मक विकास की जरूरत होती है और उन्हें खुशी है कि मध्यप्रदेश इन चारों संसाधनों के विकास पर तेजी से बढ़ रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मांग पर की 6 नई परियोजनाएं मंजूर- केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मांग पर मंच से ही केन्द्रीय सड़क निधि से 12 हजार करोड़ रूपए लागत से 400 कि.मी. लंबाई 6 नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण एवं विकास कार्यों को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ रूपए की लागत से एनएचएआई द्वारा निर्मित किए जाने वाले 5 नए ग्रीनफील्ड इकॉनामिक कॉरिडोर निर्माण कार्य, रिंग रोड, एलिवेटेड कॉरीडोर, सेतु एवं अन्य निर्माण कार्यों को भी मंजूरी देते हुए इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने की समय-सीमा भी घोषित की।

राजमार्ग होते हैं हैप्पीनेस लाने वाले हाइव- गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं के पूरा होने पर क्षेत्र का विकास होगा। युवाओं को रोजगार मिलेगा, गरीबी दूर होगी। किसानों की फसल को अच्छा दाम मिलेगा। रोड कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों के जीवन में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि राजमार्ग हैप्पीनेस लाने वाले हाई-वे होते हैं। हम मध्यप्रदेश के गांव-गांव को सड़कों से जोड़ेंगे, ताकि यहां सबको शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य उपचार और विकास का लाभ मिले।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का कायाकल्प करने का जो स्वप्न देखा था, प्रधानमंत्री मोदी अटल जी के उसी स्वप्न को साकार करने की दिशा में अनथक गति से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि इसी अमृतकाल में हमारा देश, विश्व का सबसे अच्छा देश बनकर उभरेगा। सड़कें विकास का सहज पैमाना होती है। इसलिए गांव-गांव तक रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर हम मध्यप्रदेश की जनता की जिन्दगी में बदलाव लाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर गांव के साथ-साथ शहरों को भी स्मार्ट सिटी बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर और भोपाल जल्द ही मेट्रोपॉलिटिन सिटी बनेंगे। ग्रामीण हो या शहरी सभी को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने श्री गडकरी द्वारा मुक्त हृदय से मध्यप्रदेश को 5800 करोड़ रूपए लागत की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात देने के लिए आभार जताते हुए कहा कि गडकरी देश के राजमार्ग विकास पुरूष हैं। उनके नेतृत्व में देश में तेजी से अधोसंरचनात्मक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मालवा अंचल को सीधे तौर पर लाभान्वित करने वाली इन सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से सरकार को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन में भरपूर मदद मिलेगी।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने जनजातीय आबादी वाले धार जिले के बदनावर के ग्राम खेड़ा में इस भव्य आयोजन के लिए केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है।

इन सड़क परियोजनाओं का हुआ भूमिपूजन और लोकार्पण

गडकरी और मुख्यमंत्री ने उज्जैन-बदनावर खंड पर नवनिर्मित 4 लेन सड़क, उज्जैन-गरोठ के खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, उज्जैन-गरोठ के सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, जीरापुर-सुसनेर-मध्यप्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क और बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त 3 लेन सड़क का भी लोकार्पण किया। इसी प्रकार संदलपुर-नसरुल्लागंज खंड पर 4-लेन सड़क, चंदेरी-पिछोर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क, इंदौर-गुजरात खंड पर 7 फ्लाई ओवर एवं अंडरपास, शाजापुर, कनासिया एवं एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में 3 फ्लाई ओवर, अंडरपास तथा रसलपुर जंक्शन पर फ्लाई ओवर के कार्यों का भूमि-पूजन किया।

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर, सोमनाथ और ओंकारेश्वर को जोड़ेंगे एक सूत्र में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। अपनी विरासतों को समृद्ध कर लोगों को जोड़ रहे हैं। केन्द्र सरकार की मदद से हम श्री महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग को केन्द्र में रखकर इसे गुजरात स्थित सोमनाथ ज्योर्तिलिंग और ओंकारेश्वर से एक सूत्र में जोड़ेंगे। इसके लिए हमने केन्द्र सरकार से मांग की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेगी, जिससे विकासरूपी अमृत का सर्वाधिक लाभ मध्यप्रदेश को मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री से मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क और बढ़ाने की मांग करते हुए अपना विस्तृत मांग पत्र उनके समक्ष रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने जो भी मांगा गडकरी ने हमें समय-समय पर वो सब दिया, पर हम यही नहीं रूकेंगे। प्रदेश के हित में हम नई राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए सतत् मांग करेंगे। सिंहस्थ : 2028 के बेहतर आयोजन और श्रद्धालुओं के सहज और सुगम आवागमन के लिए मध्यप्रदेश में एक स्ट्रांग रोड नेटवर्क की स्थापना के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे।

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड 'तहव्वुर' लाया गया भारत

● एनआईए की टीम लेकर पहुंची ● राणा तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा दिल्ली पहुंच चुका है। तहव्वुर राणा को अमेरिका से एनआईए की 7 सदस्यीय टीम दिल्ली लेकर पहुंची है। दिल्ली एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वह यहां पहुंचा। तहव्वुर राणा का मेडिकल कराया जाएगा और फिर एनआईए उसे कोर्ट में पेश करेगी। राणा को अमेरिका से भारत लाए जाने के बाद तिहाड़ जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जा सकता है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि 64 साल का तहव्वुर राणा दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आतंकवादी को रखने के लिए जेल में सभी आवश्यक तैयारियां पहले ही कर ली गई हैं। तहव्वुर राणा साल 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता था।

ट्रंप की हरी झंडी के बाद मिली कामयाबी

डेविड कोलमेन हेडली का सहयोगी होने के अलावा, ऐसा माना जाता है कि राणा के पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ करीबी संबंध थे। राणा के प्रत्यर्पण की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्हाइट हाउस दौरे के दौरान की थी। इसके बाद राणा ने सुप्रीम कोर्ट में प्रत्यर्पण को रोकने की कोशिश की, लेकिन अब उसकी सभी कानूनी अपीलों को खारिज कर दिया गया है।

राणा के भारत पहुंचने से घबराया पाकिस्तान

डर के मारे मुंबई हमले के साजिशकर्ता से झाड़ा पल्ला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मुंबई में 26 नवंबर (26/11) 2008 के आतंकी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण की खबर सुनते ही पाकिस्तान घबरा गया है। हताशा में पाकिस्तान खुद को किसी तरह भी राणा से अलग करने की कोशिश में जुट गया है। पाकिस्तान में जन्मे तहव्वुर हुसैन राणा के भारत प्रत्यर्पण को लेकर पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की पहली प्रतिक्रिया में भी ये घबराहट सामने आई है। राणा के प्रत्यर्पण को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने उसे कनाडाई नागरिक बताया और उसका पाकिस्तान कनेक्शन होने से पल्ला झाड़ने की कोशिश की। पाकिस्तान विदेश विभाग ने एक वीडियो बयान में कहा कि तहव्वुर राणा ने पिछले दो दशकों में अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है।

बिहार-यूपी में बिजली गिरने से 28 लोगों की मौत

देश के 20 राज्यों में आंधी-बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्म के बाद देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में मौसम बदला है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में बुधवार शाम से ही रुक-रुक कर बारिश

हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 20 से ज्यादा राज्यों में आज (गुरुवार को) आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई है। लखनऊ, कानपुर समेत यूपी के 25 जिलों में बारिश जारी है। यहां बिजली गिरने से छह की मौत हो गई है। मरने वालों में फतेहपुर के 2 बच्चे, फिरोजाबाद की एक महिला और सीतापुर का एक किसान शामिल है। वहीं, बिहार में बीते 24 घंटे में आकाशीय बिजली गिरने से 22 की मौत हुई हैं। आज 32 जिलों में यलो अलर्ट है।

नए वक्फ बिल कानूनों पर सुनवाई की डेट हो गई तय

● सभी चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सर्वोच्च अदालत की वेबसाइट पर इस संबंध में जानकारी दी गई है। इसमें उपलब्ध जानकारी के अनुसार जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन भी याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली इस पीठ में शामिल होंगे। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में 'कैविएट' दायर कर मामले पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले सुनवाई का अनुरोध किया था। 'कैविएट' किसी पक्षकार की ओर से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की जाती है कि सुनवाई के बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जाए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c | न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

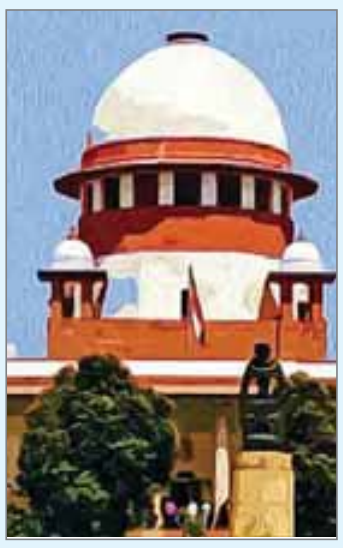

'सुप्रीम' निर्देश, पैक्ड फूड पर वार्निंग लेबल दिया जाए

● कहा-केंद्र तीन महीने के अंदर लेबलिंग का नियम बनाए ● कितना शुगर और कितना हानिकारक फैट स्पष्टता से लिखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर पैक्ड फूड पर चेतावनी वाली लेबलिंग को लेकर नए नियम बनाए। कोर्ट ने ये आदेश एक पीआईएल पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें मांग की गई थी कि हर पैक्ड खाने की चीज पर फ्रंट पर साफ चेतावनी दी जाए। इससे लोग यह जान सकें कि उस चीज में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है। केंद्र ने कहा- एक्सपर्ट कमेटी सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 14 हजार से ज्यादा सुझाव और रिपोर्ट्स इस मुद्दे पर आ चुकी हैं। इसके लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है जो इन सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी। कोर्ट ने

आदेश दिया कि यह समिति जल्दी से जल्दी रिपोर्ट तैयार करे ताकि उसी आधार पर लेबलिंग नियमों में संशोधन किया जा सके। एजेंसी ने चेताया था- पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। एजेंसी ने कहा, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल पर दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है। कुछ उदाहरण देते हुए एजेंसी ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को नेचुरल कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं।

कर्नाटक में एक घर में मिला 500 के नोटों का जखीरा

असली-नकली करेंसी की जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ पुलिस के साथ अजीबोगरीब वाकया हुआ। पुलिस ने एक गोपनीय सूचना पर दांडेली के गांधीनगर इलाके में मकान के बंद किराए में छापा मारा, तो पुलिस को मौके पर 500 के नोटों का एक बड़ा जखीरा मिला। वहां पर एक नोटों की गिनती की वाली मशीन भी मिली, लेकिन अगले ही पल जब पुलिस ने इन नोटों को गौर से देखा तो पता चला कि इन पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जगह पर रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ था। नोट के नंबर के

स्थान पर जीरो अंकित था। आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर भी नहीं थे। कर्नाटक पुलिस ने देखा कि इन नोटों पर लिखा हुआ था सिर्फ मूवी शूटिंग के लिए। इसके बाद पुलिस का समय आया है ये फिल्म शूटिंग में इस्तेमाल होने वाले प्रॉप्स हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई मकान मालिक के सूचना देने पर की थी। जानकारी के अनुसार घर की मालकिन नूरजन झुंझुवाडकर ने पुलिस को बताया कि उनका किराएदार अरशद खान एक महीने से गायब है। अरशद खान गोवा में बताया जा रहा है। नूरजन ने ही पुलिस को इस बारे में जानकारी दी थी।

बढ़ गई चिंता! बिहार चुनाव में ले ना डूबे 'वक्फ कानून'

नीतिश सहित सहयोगियों की मदद के लिए रणनीति बना रही भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों की वक्फ (संशोधन) एक्ट को लेकर बढ़ती चिंताओं को शांत करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने की योजना बनाई है। इस अभियान का उद्देश्य विपक्ष के दावों का खंडन करना और खासकर बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) जैसे सहयोगियों पर पड़ रहे दबाव को कम करना है। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और भाजपा का नीतिश कुमार की पार्टी के साथ केंद्र व राज्य में गठबंधन है। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा अब मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर इस कानून को लेकर फैली 'गलतफहमियों' को दूर करने की तैयारी में है। पार्टी एक व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी, जिसमें नेता घर-घर जाकर लोगों को वक्फ कानून की खूबियों के बारे में बताएंगे और विपक्ष के दावों को खारिज करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह पहल खासतौर पर बिहार में केंद्रित होगी, जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और भाजपा की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) को अल्पसंख्यक समुदाय के

समर्थन की जरूरत है। विपक्ष द्वारा वक्फ एक्ट को 'अल्पसंख्यक विरोधी' करार देने के बाद एनडीए के सहयोगी दलों पर दबाव बढ़ा है। इस अभियान को सुचारु रूप से चलाने के लिए भाजपा ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इसमें भाजपा के महासचिव दुष्यंत गौतम, राधा मोहन दास अग्रवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख जम्माल सिद्दीकी और भाजपा नेता अनिल एंटनी शामिल हैं।

पीएम मोदी संत, देशसेवा को मानते हैं असली पूजा

● दिल्ली सीएम बोलीं-अमित शाह का व्यक्तित्व साहसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक संत हैं और गृह मंत्री अमित शाह का व्यक्तित्व साहसी है। मैं उनके जैसा बनना चाहती हूं। न्यूज एजेंसी को बुधवार शाम दिए इंटरव्यू में सीएम ने कहा कि मैं मोदी जी को संत मानती हैं। कुछ संत भगवान की सेवा में समर्पित हो जाते हैं। मोदी जी देश सेवा को ही अपनी पूजा मानते हैं। हमारी पार्टी में ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने अपने-अपने तरीके से देश सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। नितिन गडकरी और अमित शाह भी उनमें से एक हैं। उन्होंने कहा- शाह में कठिन फैसले लेने और लागू करने की क्षमता है, फिर चाहे वे कितने ही मुश्किल हों। उन्होंने देश के लिए कई बड़े फैसले बिना किसी हिचकिचाहट के लिए हैं। मैं अमित शाह जी की तरह बनना चाहूंगी। उनमें निर्णय लेने की क्षमता है और वे वही करते हैं जो वे कहते हैं। रेखा गुप्ता दिल्ली के हालिया विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक बनी हैं। भाजपा ने यहां 26 साल बाद चुनाव जीतने के बाद रेखा को सरकार की कमान सौंपी है। विधानसभा की 70 सीटों में से भाजपा ने 48 और एएपी ने 22 सीटें जीती थी। वहीं, जबकि कांग्रेस एक भी सीट जीत नहीं पाई थी दिल्ली की सीएम के रूप में उनके नाम की घोषणा पर रेखा गुप्ता ने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई फिल्म चल रही हो। खुद को चुटकी काटकर विश्वास दिलाया कि मुझे सीएम बनाया जा रहा है। भाजपा प्रतिभा और समर्पण से भरी है। हमारी पार्टी में परवरिश ऐसी है कि पहले उन्हें तैयार किया गया और अब वे हमें तैयार कर रहे हैं और हम अगली पीढ़ी के साथ ऐसा करेंगे। यह एक दूसरे का हाथ थामने की कड़ी है।

केरल में पॉक्सो केसों की जांच अब स्पेशल पुलिस करेगी

● 304 नए पदों के साथ डेडिकेटेड विंग बनाने को मिली मंजूरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में बच्चों से यौन अपराध के मामलों की जांच अब पुलिस की एक खास टीम करेगी। बुधवार को केरल सरकार की कैबिनेट ने इसके लिए एक डेडिकेटेड विंग बनाने की मंजूरी दे दी। इस स्पेशल यूनिट में कुल 304 नए पद तैयार होंगे। इनमें 4 डिप्टी एसपी और 40 सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, ये टीम सिर्फ पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच करेगी। सरकार का मकसद इन मामलों में तेजी से और सही जांच करना है, ताकि पीड़ितों को जल्दी न्याय मिले। कैबिनेट ने अगले साल के लिए पॉलिसी भी पास कर दी है।

विनेश फोगाट ने स्वीकारा 4 करोड़ रुपए का ऑफर

जींद (एजेंसी)। कांग्रेस एमएलए रेसलर विनेश फोगाट ने हरियाणा की बीजेपी सरकार का 4 करोड़ रुपए लेने का ऑफर स्वीकार कर लिया है। सरकार की तरफ से उन्हें तीन च्वाइस दी गई थी- सरकारी नौकरी या प्लाट या 4 करोड़ कैश। इसमें से विनेश ने 4 करोड़ कैश अवॉर्ड को लेकर सहमति दी है। हालांकि विनेश फोगाट ओलिंपिक से बिना मेडल ही देश लौटी थीं। बाद में वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बन गई हैं। कैश अवॉर्ड को लेकर विनेश फोगाट का सहमति का पत्र खेल विभाग को मिल चुका है। उन्हें राशि देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें कि विनेश 2024 के पेरिस ओलिंपिक में फाइनल मुकाबले तक पहुंची थीं। हालांकि 100 ग्राम बढ़े वजन की वजह से वह फाइनल मुकाबला खेलने से पहले ही बाहर हो गईं। जिसके बाद सीएम नायब सैनी ने विनेश का सिल्वर मेडलिस्ट जैसा सम्मान करने का ऐलान किया था। हालांकि जब कुछ नहीं मिला तो विनेश ने विधानसभा के बजट सत्र में कहा था कि सरकार ने उन्हें सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान देने घोषणा की थी। 8 माह बीत गए लेकिन कुछ नहीं मिला।

दिल्ली में लैंडिंग के बाद पायलट को अटैक, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की मंगलवार (9 अप्रैल) को दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। यह घटना इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई, जब पायलट श्रीनगर-दिल्ली फ्लाइट की लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट में अन्य फॉर्मेलिटीज कर रहा था। एयरलाइन के मुताबिक, लैंडिंग के बाद पायलट को परेशानी होना शुरू हो गई थी, थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर गया। पायलट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पायलट का नाम अरमान है। अरमान की उम्र 28 साल थी और हाल ही में उसकी शादी हुई थी। साथी कर्मचारियों ने बताया कि लैंडिंग के बाद पायलट ने कॉकपिट में उल्टी की थी।

धनबाद में एनआईए की रेड मिला विस्फोटक जखीरा

● डायनामाइट-अमोनियम सहित 98 पेटी जिलेटिन मिले,1 अरेस्ट ● 9 घंटे तक चली छापेमारी, बंगाल को तबाह करने की थी तैयारी

धनबाद (एजेंसी)। धनबाद में एनआईए की रेड में डायनामाइट, अमोनियम, 98 पेटी जिलेटिन मिले हैं। 9 घंटे तक छापेमारी चली। इसका इस्तेमाल बंगाल में सीरियल ब्लास्ट के लिए किया जा सकता था। ये सारे विस्फोटक एनआईए टीम को चिरकुडा के डूमरकुंडा बाबूडंगाल स्थित अमरजीत के घर और दुकान के साथ कालूबथान ओपी क्षेत्र के बोरिया गांव के सुनसान स्थल पर बने पोल्ट्री फॉर्म से मिले हैं। एनआईए रेड की सूचना मिलते ही चिरकुंडा निवासी

अमरजीत शर्मा उर्फ अमर रवानी फरार हो गया। टीम ने उसके भाई संजय रवानी को पकड़ा। संजय रवानी की निशानदेही पर अमरजीत के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर विस्फोटकों की बरामदगी की। टीम को 38 पेटियों में बंद जखीरा मिला है।

जेलेंस्की का दावा-रूस के लिए चीनी लड़ रहे हैं जंग

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने मंगलवार को दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने इससे जुड़ा वीडियो भी जड़ा किया जिसमें पकड़े गए लोगों के हाथ जिप-टाई से बंधे थे। यह पहली बार था जब यूक्रेन ने चीनी लड़ाकों को लेकर ऐसा दावा किया।

चुराचांदपुर में दो जनजातियों के बीच बढ़ा विवाद

मणिपुर में विवादित जगह पर सामुदायिक झंडा फहराने से तनाव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो जनजातियों के बीच हुए विवाद की वजह से बुधवार को 17 अप्रैल तक कर्फ्यू लगाया गया। जोमी और हमार जनजाति के बीच मंगलवार को विवादित जगह पर अपने-अपने समुदाय के झंडे फहराने को लेकर तनाव पैदा हो गया था। यह विवादित जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच है। वी मुनहोइह और रेंगकाई के साथ ही कांगवाई, समुलामलान

और संगाइकोट में भी कर्फ्यू लगाया गया है। हालांकि, इन इलाकों में सुबह 6 बजे से 5 बजे शाम तक कर्फ्यू में छूट दी गई है। बुधवार को कलेक्टर ने दोनों गांवों के लोगों की बैठक ली। इस दौरान दोनों समुदायों ने कहा कि यह विवाद जातीय नहीं जमीन का है। बैठक में लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहें न फैलाने की अपील की गई। इससे पहले दोनों जनजातियों के बीच 18 मार्च को झंडा हटाने को लेकर हिंसा हुई थी। इस हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। पिछले 16 मार्च को रविवार को अज्ञात लोगों ने हमला किया था।

बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक भूख हड़ताल पर

● पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया ● बीजेपी बोली-निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने गुरुवार को नौकरी जाने और पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने की घोषणा की है। बुधवार रात से ही टीचर्स भवन के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहें है। एक शिक्षक ने कहा- भूख हड़ताल आंदोलन शुरू किया गया है और जल्द ही आगे का कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंसपेक्टर (डीआई) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज और बीजेपी उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा- दूसरों की गलती के कारण अपनी नौकरी गंवाने वाले निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भाजपा ऐसे शिक्षकों के साथ है। वही, 8 अप्रैल को 25 हजार 753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति रद्द

करने के मामले में राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी थी। राहुल ने राष्ट्रपति से मांग की है कि जो लोग निर्दोष हैं, उन्हें नौकरी में बने रहने देना चाहिए। उधर, सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में 8 अप्रैल को सुनवाई हुई थी।

कोर्ट ने स्कूल कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पदों को बढ़ाने को लेकर पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की सीबीआई जांच पर रोक लगा दी थी। मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 7 अप्रैल को उन शिक्षकों और स्टाफ से मुलाकात की थी, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडीडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। उन्होंने कहा- आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल बीजेपी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और जेल भेजने की मांग की है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा था-शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है।

होटल से पकड़ाए हथियारों के तस्कर

इंदौर क्राइम ब्रांच की 4 दिन में दूसरी बड़ी कार्रवाई, दो पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की निशानदेही पर होटल रिद्धी-सिद्धी में रुके गुजरात के अमित कुमार भोई को हिरासत में लिया है। तलाशी में अमित के बैग से दो पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। अमित के कथन पर पुलिस ने गोलू और शिवम सिंगोड़िया को भी हिरासत में लिया है। ये दोनों पिस्टल की डिलेवरी देने होटल पहुंचे थे। क्राइम ब्रांच हथियारों की तस्करी करने वाले तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी थी कि होटल में संदिग्ध लोग रुके हैं, जो हथियार खरीद और बेच रहे हैं। इसके लिए टीम तैयार की गई और होटल पर छापा मारा गया। होटल के कमरों की जांच में एक कमरे में अमित कुमार भोई मिला। अमित ने बताया कि उसने गोलू से पिस्टल और कारतूस खरीदे हैं। अमित होटल में पहले से रुका था। जबकि गोलू और शिवम उसे पिस्टल एवं कारतूस की डिलेवरी देने आए थे। मामले में पुलिस विस्तार से जांच कर रही है। उम्मीद की जा रही है कि आगे की जांच में कुछ और नाम सामने आएंगे। बता दें कि इंदौर क्राइम ब्रांच ने 4 दिन पहले एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से तीन पिस्टल, दो देसी कट्टे, चाकू और दो से अधिक जिंदा कारतूस बरामद किए थे।

सड़क का काम रुकवाकर घूस मांगी, 1 लाख रु लेते धराया रेंजर

धार/इंदौर (एजेंसी)। महू में रेंजर वैभव उपाध्याय को लोकायुक्त ने 1 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा है। बाग तहसील में आदिवासियों के लिए 3 किमी लंबी रोड बन रही है। वनभूमि में से रोड जा रही थी। रेंजर ने काम रुकवाया और लागत का 3 फीसदी कमीशन देने की मांग ठेकेदार जितेंद्र वास्केल से की। 96 हजार की रिश्वत रेंजर ले चुका था।झ 2 लाख रुपए की डिमांड और कर रहा था। ठेकेदार ने शिकायत कर दी। पहली किस्त के रूप में 1 लाख रुपए देने के लिए ठेकेदार ने कॉल किया। रेंजर ने दफ्तर में ही रिश्वत देकर जाने के लिए कहा। ठेकेदार ने जैसे ही रुपए दिए, रेंजर ने रुपए टेबल के नीचे रख दिए। ठेकेदार ने बाहर निकलकर लोकायुक्त डीएसपी को संकेत दिया। लोकायुक्त की टीम ने कक्ष में प्रवेश कर रेंजर को रंगेहाथ पकड़ लिया।

तीन दिन से लापता कर्मचारी का शव मिला

सिर में चोट के निशान, परिवार ने जताई हत्या की आशंका

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में पितृ पर्वत के पास बुधवार को एक शव पड़ा मिला। जिसकी पहचान कमलेश पासवान के रूप में हुई। कमलेश मेट्रो प्रोजेक्ट में लेबर का काम करता था और पिछले तीन दिन से लापता था। उसके सिर पर चोट के निशान हैं। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और पोस्टमार्ट्म के लिए शव अस्पताल भेजकर जांच में जुट गई है। कराकर शव परिजनों को सौंप जांच में जुट गई है। कमलेश, परिवार सहित इंदौर के गांधीनगर इलाके में रहता था। उसकी तीन दिन से परिजनों से बात नहीं हुई, तो उन्होंने गांधीनगर थाने में कमलेश की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। टीआई अनिल यादव ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली कि पितृ पर्वत के पास एक शव पड़ा है। दो-तीन दिन पुराना लग रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा। शव की पहचान कमलेश के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के कसान गंज के रहने वाले हैं। यहां मेट्रो प्रोजेक्ट में काम करने आए हैं।

इंदौर में रहने वाले पूर्वांचल समुदाय की मांग

महापौर को लेटर लिख कहा निपानिया तालाब का जीर्णोद्धार और छठ घाट बनवा दो

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल समुदाय के लोगों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मांग की है। उन्होंने इसके लिए महापौर को मेल के माध्यम से एक लेटर भी लिखा है, जिसमें उन्होंने निपानिया तालाब के जीर्णोद्धार, सफाई, सौंदर्यीकरण और छट घाट बनवाने का अनुरोध किया है। ये लेटर पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्यप्रदेश ने इंदौर महापौर को लिखा है। संस्थान के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह और महासचिव केके झा ने बताया कि निपानिया तालाब की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। तालाब में आसपास से आने वाले गंदे नाले का दूषित पानी मिल रहा है, जिससे यह उपयोग के योग्य नहीं रह गया है। तालाब में प्रदूषित जल के प्रवाह को रोकने, इसकी सफाई करने और किनारे छठ घाट बनाने का अनुरोध किया गया है। यह सुविधा विशेष रूप से निपानिया, पिपलियाकुमार और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए लाभकारी होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टिगरिया बादशाह, पिपलियाहना और अन्नपूर्णा तालाब पर छठ घाट निर्माण की घोषणा की है, लेकिन संस्थान का कहना है कि निपानिया क्षेत्र के लिए अलग से व्यवस्था आवश्यक है। यह प्रस्ताव शहर में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल समुदाय के हजारों छठ श्रद्धालुओं की ओर से पेश किया गया है, जो प्राकृतिक जलाशयों की कमी के कारण पर्व के दौरान असुविधा का सामना करते हैं। इस मांग की प्रति मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह सहित अन्य अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों को भी भेजी है।

मां की फटकार से नाराज युवती ने किया सुसाइड

देर से सोकर उठने पर लगाई थी फटकार, पीएम के बाद परिजनों को सौंपा शव

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के द्वारकापुरी में रहने वाली 10वीं की छात्रा रेणुका (16 वर्ष) ने मां की फटकार से नाराज होकर फांसी लगा ली। छात्रा को दूसरे दिन अपनी नानी के घर जाना था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्ट्म कराया और परिजनों को सौंप दिया। वहीं एक अन्य मामले में प्रेम प्रसंग के चलते एक किशोरी ने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक छात्रा ऋषि पैलेस कॉलोनी में रहती थी। उसे गुरुवार को नानी के घर जाना था। बुधवार को उसकी मां ने सुबह देर से उठने पर नाराजगी जताते हुए फटकार लगाई थी। इसका छात्रा को इतना बुरा लगा कि उसने फांसी लगा ली। घटना के वक्त छात्रा घर पर अकेली थी।

इंदौर में एक ही जगह चार मोरों की मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में गुरुवार को दो दर्जन से अधिक मोरों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। एक ही कॉलोनी में बुधवार को रहवासियों ने चार मोरों की मौत होने का दावा किया है। रहवासियों के मुताबिक चारों मोर का जीपीओ स्थित पशु चिकित्सालय में पोस्टमार्ट्म कराया गया है। हालांकि इंदौर प्राणी संग्रहालय के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बुधवार को 2 मोरों की मौत हीटवेव से होने की बात कही है।

जू प्रभारी बोले- हीट वेव से दो मौतें हुई, दूसरे जगह की जानकारी नहीं

रहवासियों का दावा– कई इलाकों में मोरों की मौत हुई

कालिंदी कुंज, रालामंडल और रेडियो कॉलोनी के रहवासियों का दावा है कि हीट वेव की वजह से उनके इलाके यह मौतें हुई है। इंदौर जिले में 10 हजार से अधिक मोर हैं। सबसे ज्यादा रालामंडल, हुकुमचंद मिल, पीटीसी सेंटर, कृषि कॉलेज, रेसिडेंसी एरिया, मेघदूत और पहाड़ गंगा के पास मिलते हैं। रहवासियों ने दावा किया है कि दो दिन में रालामंडल में 20 से 25 और रेडियो कॉलोनी में 10 से 15 मोरों की मौत हुई है। वहीं ग्रामीण इलाकों से

भी 5 से 10 मोर की मौत होने की जानकारी सामने आ रही है। पिछले साल भी हीट वेव चलने के दौरान 10 से 12 मोर की मौत हुई थी।

कॉलोनी में पहली बार मोरनी ने बच्चे दिए, हमने उन्हें संभाला

जैन ने बताया कि कुछ समय पहले एक मोरनी हमारी कॉलोनी में कहीं से आई और उसने अंडे दिए। जब उनमें से बच्चे निकले तो मुर्गियों से भी छोटे थे। कॉलोनी में हमने उनके लिए पांच-छह जगह दाना-पानी का इंतजाम किया था। कॉलोनी के बच्चे उनका पूरा ध्यान रखते थे। जब भी जरूरत पड़ती हम उन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय ले जाते थे। इसी वजह से बुधवार को भी ले गए थे।

कालिंदी कुंज के रहवासी अजय जैन ने कहा

हमारे कॉलोनी में 5 मोर हैं, जिनकी हालत खराब होते ही हम बुधवार को उन्हें जीपीओ स्थित पशु चिकित्सालय ले गए थे। इनमें से 4 की मौत हो गई। पशु चिकित्सालय में ही मोरों का पोस्टमॉर्ट्म किया गया। इसमें उनकी मौत डिहाइड्रेशन और लू से होने की बात सामने आई है। हमें सूचना मिली कि कई जगह मोर मरे हैं। हमारी कॉलोनी में पेड़ पर बैठे मोर दोपहर बाद गिरने लगे। रहवासियों ने उन्हें पानी पिलाया। हम तत्काल उपचार के लिए इन्हें पशु चिकित्सालय ले गए। इनमें से एक मोर को उपचार करके बचा लिया।

2 मोर की मौत की सूचना, बाकी की जानकारी नहीं

इंदौर प्राणी संग्रहालय के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कहा कि बुधवार रात 9 बजे बाद कुछेक लोग दो मोरों को लेकर संग्रहालय आए थे। उस दौरान वहां गार्ड था। दोनों की मौत हो चुकी थी। मैंने पोस्टमॉर्ट्म किया। जिसमें हीट वेव के कारण मौत होने की बात सामने आई है। अन्य किन स्थानों पर मोरों की मौत हुई है, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

80 हजार का बजट मोरों के दाना पानी के लिए

पिछले साल मोर के दाना पानी की व्यवस्था करने के लिए करीब 80 हजार का बजट मुख्यालय से आया था। विभाग ने मोर संरक्षण के लिए 20 क्लस्टर चिह्नित किए थे। रहवासियों का दावा है कि कॉलोनी के घरों के आंगन में ये मोर आते रहते हैं। उनके दाना पानी का इंतजाम भी रहवासी ही करते हैं। कई घरों के बाहर मोरों के लिए खाने के इंतजाम किए हैं।

मेट्रो को सीएमआरएस से मिली ओके रिपोर्ट

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर मेट्रो का कॉमर्शियल रन इसी महीने होने का रास्ता साफ हो गया है। सीएमआरएस (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी) की टीम ने इंदौर मेट्रो को हरी झंडी दिखाते हुए अपनी ओके रिपोर्टर दे दी है। हांलाकि मेट्रो प्रबंधन की तरफ से यह अभी तक नहीं बताया गया है कि कॉमर्शियल रन कब से शुरू किया जाएगा। सरकार के सूत्रों की मानें तो एमपी सरकार इस महीने ही कॉमर्शियल रन इंदौर में कराना चाहती है। मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए न्यूनतम किराया 20 रुपए तय किया गया है। बताया जा रहा है कि इंदौर मेट्रो के कॉमर्शियल रन को हरी झंडी दिखाने पीएम नरेंद्र मोदी आ सकते हैं, एमपी सरकार की मंशा है कि इस रन के शुरू होने के दौरान पीएम मोदी मौजूद रहें। वहीं मेट्रो अधिकारी इस पूरे मामले में अभी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। इंदौर के लोगों के मेट्रो में सफर करने में अब कोई बाधा नहीं बची है। यात्रियों के लिए मेट्रो चलाने की मेट्रो प्रबंधन की पूरी तैयारी है। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के पांचों मेट्रो स्टेशन पर स्टाफ, टिकट काउंटर सहित अन्य इंतजाम भी हो चुके हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार चाहेगी तो जल्द ही मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू किया जा सकेगा। बता दें कि सीएमआरएस ने 24-25 मार्च को ही मेट्रो का तीसरा और अंतिम निरीक्षण किया था। फिलहाल सुपर कॉरिडोर पर गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक 6 किमी हिस्से में मेट्रो दौड़ेगी। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर

इसी माह कामर्शियल रन होने की उम्मीद, पीएम मोदी के आने की संभावना ; भोपाल मेट्रो के रन में समय

स्टेशन नंबर 3, 4, 5 और 6 कुल पांच स्टेशन आएंगे। इनमें इलेक्ट्रिकल सेक्शन, प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्कलेटर सहित सभी सुविधाएं जुटाई जा चुकी हैं। ट्रेन को न्यूनतम व अधिकतम गति से चलाकर देखा जा चुका है।

कॉमर्शियल रन में सिर्फ 2 मिनट लगेंगे

इंदौर में येलो लाइन का प्रायोरिटी रूट कुल 5.9 किमी का है। इसमें 5 स्टेशन रहेंगे। कॉमर्शियल रन के दौरान हर स्टेशन पर मेट्रो सिर्फ 2 मिनट में पहुंचेगी। अभी पांच स्टेशन मेट्रो डिपो से लेकर सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 के आगे तक टेस्टिंग हो रही है, जो दिन और रात दोनों समय की जा रही है। बताया जा रहा है कि कॉमर्शियल रन के दौरान जब इस रूट पर मेट्रो चलेगी तो वह हर 2 मिनट में एक स्टेशन पर पहुंच जाएगी।

भोपाल में मई-जून तक कॉमर्शियल रन

भोपाल में मेट्रो का पहला रूट एम्स से करोंद तक 16.05 किलोमीटर लंबा है। इसमें से 6.22 किमी एम्स से सुभाष नगर के बीच का काम प्रायोरिटी कॉरिडोर के रूप में 2018 में शुरू हुआ था। सुभाषनगर से आरकेएमपी स्टेशन तक काम पूरा हो गया है। इसके आगे अलकापुरी, एम्स और डीआरएम मेट्रो स्टेशन के काम तेजी से चल रहे हैं। रेलवे ट्रैक और डीआरएम तिराहे पर दो स्टील ब्रिज भी लॉन्च कर दिए गए हैं। पहले सुभाषनगर से आरकेएमपी स्टेशनों के बीच ही मेट्रो को चलाने का प्लान था, लेकिन अब यह पूरे 6.22 किमी में दौड़ेगी।

आम लोगों को ऐसे मिलेगी शुरुआत में मेट्रो की कनेक्टिविटी

रेडिसन चौराहा, विजयनगर: यात्री ई-बस में बैठकर सुपर कॉरिडोर के स्टेशन नंबर 3 तक पहुंचेंगे।

एससी 3 से गांधी नगर स्टेशन : यात्री मेट्रो में बैठकर सफर करेंगे। गांधी नगर से एयरपोर्ट व बड़ा गणपतिः यात्री गांधीनगर स्टेशन से ई-बस में बैठ एयरपोर्ट व बड़ा गणपति चौराहे तक की यात्रा करेंगे।

इंदौर बार एसोसिएशन के चुनाव 15 अप्रैल को

11 पदों के लिए 26 प्रत्याशियों ने भरे फॉर्म ; 13 बार अध्यक्ष रहे वर्मा इस बार नहीं लड़ेंगे चुनाव

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर बार एसोसिएशन के 15 अप्रैल को होने वाले चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। इस बार चुनाव में मुख्य पांच पदों सहित कुल 11 पदों के लिए 26 प्रत्याशियों ने नामांकन फॉर्म जमा किए हैं। इसमें अध्यक्ष और सचिव पदों पर मुख्य मुकाबला है। दोनों पदों के लिए चार-चार दावेदार हैं। 12 अप्रैल को नामांकन वापसी का आखिरी दिन है। इसके बाद फाइनल प्रत्याशियों की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी। 13 बार अध्यक्ष रहे सीनियर एडवोकेट सुरेंद्र कुमार वर्मा इस बार मैदान में नहीं है।

अध्यक्ष पद के लिए एलएल यादव, राकेश पाल, विजय दुबे और गोपाल कचोलिया ने नामांकन फॉर्म भरे हैं।

अन्य प्रमुख पदों के प्रत्याशी

उपाध्यक्ष पद- जितेंद्र नीम, अनूप बाथम, राजीव पंवार और श्रीराम भदौरिया।

सचिव पद- कपिल बिरथरे, संदीप शर्मा, विशाल रामटेके और अमित पाठक।

सह-सचिव पद- विजय व्यास, अतुल त्रिवेदी, जयदीप सिंह गौड और श्रवण मिश्रा।

कोषाध्यक्ष पद- पुरुषोत्तम सोमानी, सुधीर नायक, मुकेश तोमर और शिवशंकर वर्मा।

कार्यकारिणी के 6 पद- 16 प्रत्याशियों ने भरे नामांकन।

चुनाव प्रक्रिया का कार्यक्रम

11 अप्रैल- वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन।

12 अप्रैल- नाम वापसी की अंतिम तिथि और प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन

15 अप्रैल- मतदान (सुबह 11 बजे से शाम 4:30 बजे तक)

वोटों की गिनती- मतदान समाप्त होते ही प्रारंभ होगी और देर रात तक नतीजे घोषित किए जाएंगे।

एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री और ट्रैफिक एसआई में बहस

टूटी नंबर प्लेट पर चालान बनाया, मोबाइल पर बात कराने को लेकर हुई कहासुनी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के नौलखा चौराहे पर टूटी नंबर नंबर प्लेट की बाइक चला रहे छात्र सतीश को रोककर ट्रैफिक एसआई कासिम हुसैन रिजवी ने चालान बना दिया। इस मामले में छात्र ने एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र सिंह सोलंकी से बात कराने की कोशिश की। मोबाइल पर बात नहीं करने को लेकर एसआई ने छात्र को डपट दिया। इसके बाद वीरेन्द्र सोलंकी के साथ कई छात्र मौके पर पहुंचे और हंगामा किया। देर रात सोशल मीडिया पर विवाद का वीडियो वायरल हुआ है। नौलखा पर ट्रैफिक के एसआई कासिम हुसैन रिजवी चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान नीड की तैयारी कर रहे छात्र सतीश का वहां से बाइक लेकर निकलना हुआ। छात्र की बाइक की नंबर प्लेट टूटी थी। जिस पर एसआई ने गाडी साइड में लगाने की बात करते हुए छात्र को

डपट दिया। इसके बाद छात्र ने एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री से एसआई की मोबाइल पर बात कराने की कोशिश की, तो उन्होंने मना कर दिया।

बाद में यहां पर छात्र नेता वीरेन्द्र सिंह सोलंकी और सार्थक जैन पहुंच गए। उनकी एसआई कासिम रिजवी हुसैन से जमकर बहस हुई। सूचना के बाद मौके पर एसीपी तुषार सिंह और ट्रैफिक के अफसर पहुंचे। उन्होंने मामले में हस्तक्षेप करते हुए एसआई को वहां से रवाना किया। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने यहां पर चौराहा जाम करने की धमकी दी। वहीं छात्र को धक्का देने का आरोप लगाया।

इंदौर में लगातार 3 दिनों से तापमान 40 डिग्री पार

रात का तापमान 7 डिग्री बढ़ा ; सुबह से हल्के बादलों के बाद तेज धूप

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में लगातार 3 दिनों से दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना हुआ है, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। रातें भी काफी गर्म हैं। बीती रात न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 7 डिग्री ज्यादा रहा। आज सुबह से धूप के साथ बीच-बीच में हल्के बादल छाने का सिलसिला जारी है और गर्मी का असर बना हुआ है। पिछले दो दिनों से स्थिति ऐसी है कि दिन में गर्म हवाओं के थपेड़े चल रहे हैं, जिनका असर दोपहर 12 से 4 बजे तक सबसे अधिक महसूस हो रहा है। बीती रात इस सीजन की अब तक की सबसे गर्म रात रही, जिसने लोगों को हलाकान कर दिया। बुधवार को अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से +3) और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से +7) दर्ज किया

गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, इस समय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और ट्रफ सक्रिय हैं। अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है।

पिछले साल 44 डिग्री पहुंचा था तापमान- मध्य प्रदेश में अप्रैल का मिजाज ऐसा होता है कि दूसरे पखवाड़े से गर्मी का असर तेज होने लगता है। महीने के आखिरी दिनों में तो तापमान रिकॉर्ड तोड़ने लगता है। इंदौर में पिछले साल तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका था। मौसम विभाग के अनुसार, 25 अप्रैल 1958 को इंदौर में सर्वाधिक 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था।

हाउसिंग बोर्ड की सुपर कॉरिडोर प्रस्तावित योजना पर रोक

इंदौर (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने हाउसिंग बोर्ड की सुपर कॉरिडोर प्रस्तावित योजना पर रोक लगा दी है। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भू-अर्जन की धारा 5-A और सेक्शन 6 को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस भूमि पर हाउसिंग बोर्ड की योजना लागू नहीं की जा सकती। बताया जा रहा है कि इस जमीन की कीमत 2 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। पालाखेड़ी में लगभग 375 एकड़ जमीन पर हाउसिंग बोर्ड ने आवासीय योजना प्रस्तावित की थी, जिसमें 102 किसानों की जमीन अधिगृहित की जानी थी। इस अधिग्रहण के विरोध में किसानों ने 42 याचिकाएं दायर की थीं। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने बुधवार को इस मामले में निर्णय सुनाया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि प्रत्येक किसान को 25 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति दी जाए, हालांकि इसके लिए किसानों को अलग से जिला न्यायालय में याचिका दायर करनी होगी। दरअसल, साल 2013 में लागू हुए नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत दो से चार गुना तक मुआवजे के साथ कई अन्य प्रावधान जोड़े गए। इसी आधार पर किसानों द्वारा हाउसिंग बोर्ड से उचित मुआवजे की मांग की गई थी। कई वर्षों से इंदौर में हाउसिंग बोर्ड अपनी कोई नई आवासीय योजना ला नहीं सका है। राऊ की योजना ही अंतिम थी।

हाईकोर्ट ने किसानों के पक्ष में दिया फैसला, 375 एकड़ जमीन पर प्रस्तावित है योजना

सभी याचिकाकर्ता किसान को 25 हजार मुआवजा मिलेगा- हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता (किसान) पिछले 12 सालों से अधिक समय से अपनी भूमि से वंचित हैं और इस दौरान हाउसिंग बोर्ड ने परियोजना में कोई रुचि नहीं दिखाई। इन 12 सालों में न तो कोई सुनवाई त्वरित रूप से करवाने का प्रयास हुआ और न ही रोक हटाने के लिए कोई आवेदन दायर किया गया। राज्य सरकार ने अलग से रिटर्न दाखिल नहीं किया, बल्कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा दाखिल रिटर्न को ही अपनाया। ऐसे में याचिकाकर्ता प्रत्येक को 25,000 रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया गया, साथ ही उन्हें सिविल मुकदमे के माध्यम से मुआवजा या क्षतिपूर्ति का दावा करने की स्वतंत्रता भी दी गई।

12 साल पहले भी हाईकोर्ट ने लगाई थी रोक- हाउसिंग बोर्ड की पालाखेड़ी आवासीय योजना के तहत 375 एकड़ भूमि के अधिग्रहण पर हाईकोर्ट ने 1 जुलाई 2013 को भी रोक लगाई थी। तब 11 याचिकाओं की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण पर स्थगन आदेश दिया था। किसानों द्वारा जताई गई आपत्तियों को संभागायुक्त ने खारिज कर दिया था, जिसके बाद किसान बाबूलाल, रमेश, निर्मल, केसरसिंह, अशोक, सत्येंद्र, जितेंद्र, मलखान सिंह आदि ने कोर्ट का रुख किया था। इस पर जस्टिस एन.के. मोदी की बेंच में सुनवाई हुई थी, जिसमें अधिवक्ता के.एल. हार्डिया ने तर्क दिया था कि योजना अस्तित्व में होनी चाहिए और शासन से स्वीकृत भी होनी चाहिए।

अब नई योजनाएं लैंड पुलिंग एक्ट के तहत

अब हाउसिंग बोर्ड को नई योजनाएं लैंड पुलिंग एक्ट के तहत लानी होंगी। पुराने प्रावधान समाप्त हो चुके हैं। इंदौर विकास प्राधिकरण भी अब इसी एक्ट के तहत टीपीएस योजनाएं ला रहा है। इस एक्ट के अंतर्गत 50 प्रतिशत भूमि मालिकों को वापस लौटा दी जाती है। 30 प्रतिशत भूमि मास्टर प्लान, प्रमुख सड़कों और ग्रीन बेल्ट के लिए उपयोग की जाती है। शेष 20 प्रतिशत भूमि विकसित कर भूखंड के रूप में बेची जा सकती है, जिससे योजना का खर्च निकाला जा सके।

संपादकीय

तहव्वुर की वापसी, कई राज खुलेंगे

सत्रह साल पहले देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हुए आंतकी हमले के मास्टर माइंड तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण निश्चय ही मोदी सरकार की कूटनीतिक सफलता है। मोदी सरकार के निरंतर प्रयासों और मोदी ट्रंप मैत्री का इतना लाभ तो निश्चित ही हुआ है कि तहव्वुर जैसा शातिर आतंकी भारत लाया जा सका है। अब तहव्वुर उसी भारत में आपराधिक मुकदमों का सामना करेगा, जिसके मुंबई शहर में उसने इसे क्रूर तरीके से अंजाम दिया है। तहव्वुर पर केस विशेष एनआईए अदालत में चलेगा, उसके पहले ही उसे फांसी की सजा देने की मांग उठने लगी है। गौरतलब है कि पाक एजेंसी आईएसआई ने आंतकी संगठन लश्करे तैयबा के साथ मिलकर मुंबई में भयंकर विस्फोट किए थे, जिसमें सवा सौ लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। तीन सौ से ज्यादा घायल हुए थे। पूरी तैयारी न होने के बाद भी मुंबई पुलिस ने आतंकियों का बहादुरी से मुकाबला किया, जिसमें 10 में से 9 आतंकी मारे गए और एक कसाब जिंदा पकड़ लिया गया, जिसे कोर्ट से फांसी हुई। लेकिन यह अभी भी राज बना हुआ है कि इस पूरे हमले को किस मकसद से और कैसे अंजाम दिया गया? इसमें कौन-कौन एजेंसियां और लोग शामिल थे? मूलत: चिकित्सक तहव्वुर कनाडाई नागरिक है और आंतकी संगठनों से जुड़ गया था। उसी ने मुंबई में रैकी कर विस्फोट करवाए और बाद में भागकर अमेरिका चला गया। मुंबई विस्फोटकों में उसके शामिल होने का पता तब चला जब अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने राणा के एक और साथी डेविड कोलमैन हेडली को पकड़ा। उसी ने बताया कि पूरे कांड को तहव्वुर राणा ने अंजाम दिया। पकड़े जाने के बाद शातिर तहव्वुर ने अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण न करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। लेकिन अंतत: भारत की जीत हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप ने दूसरी बार पद संभालने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपनी मुलाकात में स्पष्ट कर दिया था कि अमेरिका तहव्वुर को भारत भेजेगा। तहव्वुर ने अमेरिका से उसे भारत प्रत्यर्पित न किए जाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए। ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दोहरे खतरे सिद्धांत (Double Jeopardy) का हवाला दिया था। इसके तहत किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक से अधिक बार सजा नहीं दी जा सकती। तहव्वुर राणा ने तर्क दिया कि मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में वह अमेरिका में सजा काट चुका है, ऐसे में उसे अब भारत प्रत्यर्पित करना दोहरे खतरे के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। हालांकि भारत का प्रतिनिधित्व एक मजबूत कानूनी टीम कर रही थी, जिसने अपने तर्कों से तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण से बचने की हर कोशिश को नाकाम कर दिया। वह साल 2009 से अमेरिका की जेल में बंद था। अब भारत लाकर उसे 2008 के मुंबई हमले के मामले में न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। केंद्र सरकार ने नरेंद्र मान को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है, जो एनआईए की तरफ से सुनवाई में शामिल होंगे। तहव्वुर की भारत वापसी भारत व अमेरिकी सरकारों के आपसी समन्वय विश्वास के कारण ही संभव हुआ है। तहव्वुर के भारत आने से मुंबई बम कांड की कई पर्तें खुलेंगी, जिसमे पाकिस्तान की भूमिका भी शामिल है। पाकिस्तान ने तहव्वुर को भारत लाए जाते ही उससे दूरी बना ली है। इधर भारत में तहव्वुर की वापसी पर सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। भाजपा इसे मोदी सरकार के प्रयासों का नतीजा बता रही है तो कांग्रेस का कहना है कि उसके कार्यकाल में भी काफी प्रयास प्रत्यर्पण हुए थे, लेकिन सफलता नहीं मिली थी।

राज्यपालों को संवैधानिक गरिमा बनाए रखने की जरूरत

नजरिया

प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपालों के अधिकारों और समय-सीमा में काम करने के परिप्रेक्ष्य में अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने विधेयकों को मंजूरी देने के सिलसिले में राज्यपाल की शक्तियां निर्धारित कर दी हैं। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चित काल के लिए लटकाए नहीं रख सकते हैं। विधानसभा से पारित होकर आए विधेयकों पर समय-सीमा में निर्णय लेना होगा। अब निर्णय लेने के लिए एक से लेकर तीन महीने की समय-सीमा तय करते हुए अदालत ने राज्यपालों को नसीहत दी है कि उन्हें राजनीतिक विचारों से निर्देशित होने की जरूरत नहीं है। उन्हें कार्यपालिका को सुचारू बनाना चाहिए न कि ठप बनाए रखने का उपाय करना चाहिए? उन्हें उत्प्रेरक होना चाहिए न कि अवरोधक? यह फैसला तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि की ओर से राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर स्वीकृति रोककर रखने के बाबत सुनाया है। राज्यपाल ने दस विधेयकों को लंबे समय से रोक रखा था। अब इन विधेयकों को अदालत ने उसी तिथि से मान्य करने का आदेश दिया है, जब इन्हें पुनः राज्यपाल को स्वीकृति के लिए भेजा गया था। इनमें से ज्यादातर विधेयक जनवरी 2020 से अप्रैल 2023 के बीच पारित हुए थे। तय है, शीर्ष न्यायालय ने राज्य विधायिका के विधायी अधिकारों की पुष्टि कर दी है। भविष्य में अब राज्यपाल विधेयकों को दबाकर नहीं रख पाएंगे। उन्हें राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना होगा। इस नाते यह ऐसा ऐतिहासिक फैसला है, जो राज्यपालों को संवैधानिक गरिमा बनाए रखने के लिए बाध्य करेगा।

राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति और उनेक पूर्वग्रहों से प्रभावित कार्यप्रणाली के चलते इस संवैधानिक पद की गरिमा और औचित्य पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे विवादित मामलों में ज्यादातर विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों से जुड़े होते हैं। याद रहे कुछ साल पहले बिहार में राज्यपाल रहे व्यक्ति पर विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की रिश्वत लेकर नियुक्तियां किए जाने संबंधी मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा था। इस सिलसिले में न्यायालय ने पाया था कि राज्यपाल ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए पक्षपात किया है। यह बेहद गंभीर स्थिति है, क्योंकि कुलपतियों की नियुक्ति का राज्यपालों को सीधा अधिकार है। ऐसे ही अधिकार लोकायुक्तों की नियुक्ति के परिप्रेक्ष्य में मिले हुए हैं। गुजरात में राज्यपाल डॉ कमला बेनीवाल द्वारा न्यायमूर्ति आरए मेहता की लोकायुक्त पद पर की गई नियुक्ति चर्चा और विवाद का विषय रही थी। आखिर में मेहता को इस्तीफा देना पड़ा था। अब तो गुजरात सरकार में कानून में संशोधन कर राज्यपाल से लोकायुक्त की नियुक्ति के अधिकार ही छीन लिए हैं। जाहिर है, यह पद निर्विवाद कभी नहीं रहा।

दरअसल संविधान में परंपरा को आधार माने जाने के विकल्पों के चलते ही राज्यपाल का पद अस्तित्व में है। अंग्रेजी राज में वायसराय की जो भूमिका थी, कमोबेस उसे ही राज्यपाल के पद में रूपांतरित किया गया है। वाइसराय जिन राजभवनों में रहते थे, उन्हीं आलीशान भवनों में हमारे लोकतंत्र के राज्यपाल रह रहे हैं। इनके राजसी वैभव और ठाठबाट को बनाए रखने पर करोड़ों - अरबों का खर्च रोटी को तरसती वह 67 फीसदी आबादी भोग रही है, जिसके लिए केंद्र सरकार खाद्य सुरक्षा निःशुल्क करती है। देश के 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन केंद्र सरकार देती है। तय है, देश की आर्थिक बदहाली के मद्देनजर राज्यपाल का पद आर्थिक ढांचे पर बड़ा बोझ है। जबकि बदलते परिदृश्य में इस पद की व्यावहारिकता की समीक्षा नए सिरे से किए जाने की जरूरत हैं ? राज्यपाल को विपक्षी दल सफेद हाथी करार जरूर देते हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में भी इस पद पर नए सिरे से विचार नहीं किया गया। इसके उलट राजनीतिक दल यह सलाह देते हैं कि यदि संस्थाएं हमारे पूर्वजों और संविधान निर्माताओं ने बनाई हैं और इस परिपाटी को जारी रखना जरूरी है तो राज्यपाल की नियुक्ति के क्रम में 1988 में गठित सरकारिया आयोग की उन सिफारिशों को अमल में लाया जाए, जिनमें मुख्यमंत्री की सलाह से राज्यपाल की नियुक्ति का प्रावधान है। इस आयोग का गठन नियुक्ति में पारदर्शिता लाने की दृष्टि से राजीव गांधी सरकार ने किया था। इसी परिप्रेक्ष्य में 2001 में अंतर्राज्यीय परिषद द्वारा बुलाई गई बैठक में सहमति बनी थी कि यह पद संवैधानिक गरिमा के अनुकूल बना रहने के साथ राजनीति दुराग्रह से भी निष्प्रभावी रहे, इस हेतु राज्यपाल की नियुक्ति अनिवार्य रूप से प्रदेश के मुख्यमंत्री से जरूरी और पर्याप्त सलाह के बाद ही की जाए? परिषद ने यह सलाह भी दी थी कि एक तो राजनीति से जुड़े व्यक्तियों को राज्यपाल न बनाया जाए, दूसरे जो राज्यपाल सेवा मुक्त हो जाएं उन्हें राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में हिस्सा लेने के आलावा अन्य कोई चुनाव लड़ने अथवा प्रत्यक्ष राजनीतिक गतिविधि में भागीदारी से प्रतिबंधित किया जाए। किंतु बैठक में 'राजनीतिक गतिविधि' की व्याख्या स्पष्ट नहीं जा की सकी और इस बहाने परिषद की सिफारिशें को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस बाबत डॉ आंबेडकर ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेदों की इबारत कितने ही अच्छे रूप में लिखी जाए, यदि उसे लागू करने वाले अच्छे नहीं है, तो वे इस इबारत का अपनी इच्छा के अनुसार अर्थ निकाल लेंगे। दरअसल आंबेडकर ने इस परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को नैतिक रूप से मजबूत होने की अपेक्षा की थी। आज देश में नैतिकता और ईमानदारी कदाचरण में बदले दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल, धर्मनिरपेक्ष देश होने के कारण हमारे यहां धर्म आधारित अनेक संगठन प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर से राजनीति, धर्म और सार्वजनिक जीवन में समान रूप क्रियाशील हैं। अर्थात् कई संगठन ऐसे हैं, जो 'राजनीति मे हैं भी और नहीं भी' कि स्थिति में हैं। जैसे भाजपा से जुड़े संगठन राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, बंजराग दल और विश्व हिंदु परिषद। इसी तर्ज पर मुस्लिम लीग से जुड़े सिमी और जमात ए इस्लामी हैं। सपा भी अपना राजनीतिक वजूद और मुस्लिम वोट बैंक पुख्ता बनाए रखने के नजरीए से इस्लामिक संस्थाओं का सहयोग ले रही है। ये तमाम संगठन ऐसे हैं, जो खुद को राजनीतिक संगठन तो नहीं मानते, किंतु अप्रत्यक्ष तौर से राजनीतिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहते हैं। कांग्रेस भी मुसलमानों से जुड़े धार्मिक संगठनों का पक्ष लेते हुए उन्हें वोट बैंक की दृष्टि से अपने हित में साधने का काम करती है। कांग्रेस की कर्नाटक राज्य सरकार ने इसी तुष्टिकरण के चलते संविधान के विरुद्ध सरकारी कामों में मुस्लिम ठेकेदारों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया है।

असल में हमारे देश में जिस तरह की राजनीतिक संस्कृति बनाम विकृति पिछले ढाई-तीन दशक में पनपी है, उसमें संविधान में दर्ज स्वायत्तता का परंपरा के बहाने दुरूपयोग ही ज्यादा हुआ है। न्यायालय और कैग जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी जानबूझकर आक्रामक प्रहार किए गए। ऐसे में राज्यपाल तो सीधे राजनीतिक हित साधने के लिए केंद्रीय सत्ता द्वारा की गई नियुक्ति है, इसलिए राज्यपाल को प्रतिपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। अक्सर इस पद को हाशिए पर पड़े उम्रदराज नेताओं अथवा सेवानिवृत नौकरशाहों से नवाजा जाता है। इन उपकृत राज्यपालों को जहां केंद्र अपना चाकर मानकर चलता है, वहीं ऐसे राज्यपाल भी स्वंय को नियोक्ता सरकार का नुमाइंदा समझने लग जाते हैं। लिहाजा पद की गरिमा के उल्लंघन में वे न तो शर्म का अनुभव करते हैं और न ही उन्हें संविधान की मूल भावना के आहत होने की अनुभूति होती है। हकीकत में वे केंद्र के अहसान का बदला चुका रहे होते हैं। पद की अवमानना और इसके औचित्य पर ऐसे ही कारण सवाल खड़े करते हैं ?

राज्यपाल की हैसियत और संवैधानिक दायित्व की व्याख्या करते हुए उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायमूर्तियों की खंडपीठ ने 4 मई 1979 को दिए फैसले में कहा था कि 'यह ठीक है कि राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति करते हैं। जिसका अर्थ हुआ कि उपरोक्त नियुक्ति वास्तव में भारत सरकार द्वारा की गई है। लेकिन नियुक्ति एक प्रक्रिया है, इसलिए इसका यह अर्थ नहीं लगाना चाहिए कि राज्यपाल भारत सरकार का कर्मचारी या नौकर है। राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त हर व्यक्ति भारत सरकार का कर्मचारी नहीं होता। यही स्थिति राज्यपाल के पद पर लागू होती हैं।

इसके बावजूद ज्यादातर राज्यपाल संविधान की बजाए नियोक्ता सरकार के प्रति ही उत्तरदायी बने दिखाई देते हैं। यही वजह है कि गाहे-बगाहे वे राज्य-सरकारों के लिए परेशानी का सबब भी बन जाते हैं। इसलिए इस संस्था को गैर जरूरी करार दे दिया जाता है और इसके स्थान पर उच्च न्यायालय अथवा प्रमुख सचिवों को राज्यपाल के जो गिने-चुने दायित्व हैं, उन्हें सौंपने की बात उठती रहती है। दरअसल राज्यपाल का प्रमुख कर्तव्य केंद्र सरकार को आधिकारिक सूचनाएं देना है। लेकिन राज्यपाल तार्किक सूचनाएं देने की बजाए, केंदीय सत्ता की मंशा के अनुरूप राज्य की व्यवस्था में दखल देने लग गए हैं। इस वजह से राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों के बीच टकराव के हालात पैदा हो रहे हैं। यह स्थिति उन राज्यों में ज्यादा टकराव के हालात पैदा कर रही है, जहां गैर-भाजपा सरकारें काबिज हैं। दरअसल संविधान की मूल भावना में निहित है कि संघ और केंद्र के बीच एकात्मता बनी रहे। किंतु राज्यपाल इस भावना के अनुपालन में खरे नहीं उतरे। वे केंद्र के हित साधक की भूमिका में आ जाते है। इस वजह से राज्यपाल के पद के औचित्य पर सवाल उठते है और इस व्यवस्था को आर्थिक बोझ व गैर जरूरी माना जाने लगा है। इसलिए इस पद की जरूरत के औचित्य की तलाश वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में खोजने की जरूरत है।

समय से पहले आई खूबसूरती से क्यों भयभीत हैं पहाड़ी

प्रकृति

संजीव शर्मा
लेखक पत्रकार हैं।

हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग? क्यों उन्हें यह सुंदरता रास नहीं आ रही? खूबसूरती से क्यों नाखुश है पर्वतीय इलाकों के रहवासी और प्राकृतिक सौंदर्य के उपासक क्यों नहीं चाहते असमय प्रकृति की नेमत? ये ऐसे कुछ सवाल हैं जिनके जवाब हमें केवल पर्वतीय इलाकों के जानकार ही दे सकते हैं। आखिर, कोई तो बात होगी जिसके फलस्वरूप यहां के लोगों को प्राकृतिक सुंदरता पसंद नहीं आ रही?

हम बात कर रहे हैं कि पर्वतीय राज्यों के सबसे खूबसूरत वरदान बुरांश की। बुरांश का पेड़ और इसके फूल हिमाचल प्रदेश सहित देश के तमाम पर्वतीय राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक संस्कारों से जुड़े हैं। बुरांश न केवल खूबसूरत है बल्कि सेहत की अनेक नेमतों से परिपूर्ण भी है। यह अर्थव्यवस्था का भी एक अनिवार्य हिस्सा है। बुरांश के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि आईआईटी मंडी और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी) के शोधकर्ताओं ने बुरांश की पंखुड़ियों में मौजूद फाइटोकेमिकल्स की पहचान की है जो कोविड-19 वायरस को रोक सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि बुरांश के फूल में एंटीवायरल गुण होते हैं, जो SARS-CoV-2 से संक्रमित कोशिकाओं के इलाज में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि बुरांश के जूस का सेवन दिल और लीवर के लिए फायदेमंद हो सकता है।

हिमालय को मिला प्रकृति का यह उपहार यानि बुरांश का फूल ही यहां खतरे का संकेत दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यह फूल समय से पहले खिलने लगा है और यही पर्वतीय लोगों के साथ साथ वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का सबब है। बुरांश का समय से पहले खिलना बर्फबारी कम होने का संकेत है और कम वर्षा का भी। शिमला या इस जैसे तमाम पर्यटन स्थलों का सौंदर्य और आर्थिक प्रगति बर्फबारी (snow fall) पर निर्भर है। बीते कुछ सालों में न केवल शिमला सहित अधिकतर पर्वतीय इलाकों की सर्दी कम हुई है बल्कि बर्फबारी के दिन भी कम होते जा रहे हैं। पहले शिमला शहर में ही जमकर बर्फ गिरती थी लेकिन अब बर्फबारी कुफरी,ठियोग और नारकंडा की ओर खिसकते जा रही है। इससे पर्यटन पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या को विकराल बनाने में पहाड़ों का सीना चीरकर दौड़ रही हजारों कारों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस सबसे, मौसम बदल रहा है और इसलिए बुरांश भी समय से पहले खिलने लगा है।

डाउन टू अर्थ पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक तापमान और वर्षा तथा बर्फ में आए बदलावों के प्रति बुरांश पौधों की संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाओं ने चिंता बढ़ा दी है। फूलों के पैटर्न में बदलाव के लिए काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग को जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके फलस्वरूप बदल रहे मौसम के तेवरों का नुकसान बुरांश के फूलों को उठाना पड़ रहा है। मसलन बारिश की कमी के कारण इनमें रसीले पन का अभाव हो जाता है। बुरांश के फूलों के फूलने की प्रक्रिया को समझे तो सामान्य रूप से जनवरी से फरवरी माह में बुरांस के फूल कलियों के रूप में रहते हैं। चूंकि उस समय तापमान बहुत कम होता है और बहुत कम तापमान में कलियां खराब न हो जाए, इसके लिए प्राकृतिक तौर पर पंखुड़ियां सुरक्षा घेरे के रूप में कलियों को बाहर से ढके रहती हैं। यह तभी हटती हैं, जब तापमान 20 से 25 डिग्री पर पहुंच जाता है। अनुकूल तापमान पाकर पेड़ का आंतरिक सूचना तंत्र (डीएनए) कोशिकाओं को संकेत भेजता है और फूलों के फूलने की प्रक्रिया के लिए हार्मोंस सक्रिय हो जाते हैं। यदि समय से पहले ही तापमान अधिक हो जाता है तो फूल के विकास पर असर पड़ता है और उसके रंग रूप से लेकर आर्थिक और स्वास्थ्य प्रद गुणों पर भी असर पड़ता है।

इसके अलावा, अगर ये फूल समय से पहले यानी सर्दियों के अंत में ही खिलने लगते हैं तो उस समय मधुमक्खियाँ या परागण करने वाले कीड़े सक्रिय नहीं होते इसलिए परागण पूरी तरह नहीं हो पाता, जिससे पौधों के बीज या फल विकसित नहीं हो पाते। तापमान में उतार चढ़ाव से पहले से खिले फूल मुरझा जाते हैं या मर जाते हैं।

बुरांश के फूलों के जल्दी खिलने का असर पारिस्थितिकीय तंत्र पर भी पड़ता है। दरअसल, बुरांश के फूलों पर कई पक्षी, कीड़े और अन्य जीव आश्रित होते हैं। यदि फूल समय से पहले या अनियमित रूप से खिलते हैं, तो यह खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। बुरांश के फूलों का उपयोग सिरप और जूस आदि बनाने में होता है। अनियमित फूलों की वजह से इनमें रस कम बनता है और किसानों और स्थानीय लोगों की कमाई भी प्रभावित होती है। यही लोगों की चिंता का कारण है। अब अगर पहाड़ों का सौंदर्य,तापमान,वर्षीय,बर्फ,बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कंक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटरगाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और प्लेन में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

कंपनियों को राहत गरीब पर बादशाहत

ट्रंप टैरिफ

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक कांग्रेस नेता तथा स्वतंत्र विश्लेषक हैं।

ट्रंप की टैरिफ टेरर से सभी देश बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। चीन ने तो पलट कर अमेरिका पर टैरिफ ही थोप दिए हैं, यूरोप भी अपनी तरह से काउंटर कर रहा है लेकिन भारत अभी असमंजस में है।

ताजा हालात ये हैं कि इस आपदा को सरकार ने अपने लिये अवसर बना लिया है। क्रूड आइल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5 डालर प्रति बैरेल गिर गई हैं ।भारत ने अमरीका से नेगोशिएट करने की बजाय पेट्रोल और डीजल पर रू. 2 प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है ।बता रही है कि उपभोक्ता पर इसका असर नहीं पड़ेगा, कंपनियां अपने हिस्से से कीमतों को स्थिर रखेंगीं ।यह कदम खजाने में वृद्धि तो कर देगा किंतु परिवहन मूल्य घटाकर मंहगाई को थामने का अवसर गंवा भी देगा। रक्षात्मक नीतियां बिना व्यूह रचना के ऐसे आक्रमणों से नहीं बचातीं बल्कि वे दीवार की तरफ धकेलतीं हैं।

इसी तरह घरेलू गैस पर भी प्रति सिलेंडर रू. 50 दाम बढ़ा दिए गए हैं ,कीमतों में यह वृद्धि उज्जवला कनेक्शन की हितग्राही गरीब महिलाओं को भी बर्दाश्त करनी पड़ेगी। यह जानना प्रासंगिक होगा कि भारत में लगभग 32.94 करोड़ घरेलू गैस उपभोक्ता है जिनमें से 10.33 करोड़ उज्जवला के हितग्राही है यानी लगभग 31 प्रतिशत।

भारत में औसतन प्रतिवर्ष 200.74 करोड़ सिलिंडर रीफिल होते हैं। अतः इस मूल्य वृद्धि से सरकार की कंपनियां लगभग 10 हजार 37 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित करना चाहतीं हैं । इसी तरह पेट्रोलियम कंपनियों की कुल 37.1 मिलियन मेट्रिक टन पेट्रोल और 89.65 मिलियन मैट्रिक टन डीजल की खपत हो रही है जिसको लीटर में परिवर्तित करें तो 5 करोड़ लीटर प्रति दिन पेट्रोल और 10.6 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती है । दोनों को मिलाकर लगभग 1570 करोड़ लीटर पेट्रोल और डीजल की सालाना खपत है जिससे सरकार को एक्साइज ड्यूटी के खाते में लगभग 3 हजार 140 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी।

अपने एक इंटरव्यू में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया था कि ईंधन में एथेनाल को मिलाने से सरकार ने 1लाख 6 हजार करोड़ रुपये की बचत की है । ब्लेंडिंग की यह मात्रा कुल खपत का 15 फीसदी तक पहुंच गई है। इससे हमारा आयात बिल भी घटा है लेकिन उपभोक्ता इस लाभ से पहले भी वंचित रहा था और अभी भी है जबकि क्रूड की कीमतें 67 डालर प्रति बैरल तक गिर गईं हैं।

भारत में गैस उत्पादन दो सरकारी कंपनियां ओएनजीसी एवं गेल करती है निजी क्षेत्र में रिलायंस यह काम कर रही है। इन कंपनियों के सालाना परिणाम बताते हैं कि ओएनजीसी को पहली और तीसरी तिमाही में क्रमशः 8 हजार 938 करोड़ तथा 9 हजार 784 करोड़ का मुनाफा बताया गया है। वहीं गेल ने तीसरी तिमाही में कंसालिडेटेड कुल मुनाफा 4 हजार 84 करोड़ घोषित किया है।

मनमोहन सरकार में 2014 में इन कंपनियों ने जब 22 हजार 95 करोड़ का ही लाभ कमाया था तब भी उपभोक्ताओं को 450 रुपये में गैस सिलिंडर और 59 रुपये लीटर में पेट्रोल मिल रहा था जबकि आज 853 रुपये में सिलिंडर और 106 रुपये में पेट्रोल मिल रहा है।

कंपनियों के ताजा परिणाम बताते हैं कि रिलायंस कंपनी की तो मार्केट कैप 2 लाख 42 हजार 203 करोड़ होकर ओएनजीसी की मार्केट कैप 2 लाख 38 हजार 270 करोड़ से भी आगे निकल गई है। कारण नीतिगत समर्थन भी हो सकता है और दक्षता भी लेकिन इतना तय है बाजार से संबद्ध होने के बावजूद उपभोक्ता के हिस्से की राहत उपभोक्ता को नहीं दी जा रही है। वह या तो इन कंपनियों की जेब भर रही है या सरकार का खजाना।

धारा के विपरीत केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप संसद में कहा था कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले ढाई-तीन वर्षों में ईंधन की कीमतें वास्तव में कम हुई हैं। क्या यह बयान विश्वसनीय है।मंहगाई से जूझते देश को यह जले पर नमक छिड़कने जैसा लगता है।

क्रूड की कीमतों में एक डालर की कमी आने पर देश के आयात बिल में लगभग 13 हजार करोड़ की बचत होती है । लेकिन पुरी ने 22 फरवरी 2025 को यह कहा था कि कीमतों में गिरावट से सरकार को कोई वित्तीय लाभ नहीं हुआ, बल्कि सरकार ने तेल कंपनियों को 22,000 करोड़ रुपये की राहत दी है। चालीस रुपये लीटर पेट्रोल देने का वादा करते- करते सरकार 'कंपनियों को राहत और गरीब उपभोक्ता पर बादशाहत' थोपने को चरितार्थ कर रही है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दु:ख दे गया एक खोई हुई गाड़ी का मिलना

व्यंग्य

सुरेश रायकवार
लेखक व्यंग्यकार हैं।

दयारामजी को अपनी पुरानी स्कूटर गाड़ी वैसे ही पसंद थी जैसे तारक मेहता का उल्टा चश्मा में गोकुलधाम सोसायटी के एकमेव सेक्रेटरी भिड़े मास्टर को उनका 'सखाराम' या पोपट पत्रकार को उनका छाता। होली वाले दिन उनके स्कूटर को होली के हुडदंगियों ने कहीं छुपा दिया। एक जागरूक नागरिक होने के नाते उन्होने पहले डायल 100 पर शिकायत की जिसका नतीजा शिफर रहा, तब वे दूसरे दिन आवेदन लेकर थाने पहुंचे, थानेदार ने आवेदन लेने से इंकार कर दिया और बोले पहले आस-पास अस्पतालों की पार्किंग, स्टेशन बस स्टैंड या बाजार की पार्किंग में स्वयं तलाश कीजिये, सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करवाइए, यदि नहीं मिलती है तो दो चार दिन बाद आपका आवेदन ले लेंगे।

बेचारे बिना गाड़ी के वैसे ही अपंग हो गए थे उस पर पुलिस वालों की यह हिदायत पाकर और दुखी हो गए। चार-पाँच दिन बाद भी जब स्कूटर नहीं मिली तो एफआईआर लिखवाने थाने पहुंचे। पहले तो उन्हे समझाया गया कि शहर में रोजाना हजारों गाड़ियां चोरी होती है पुलिस कहाँ तक गाड़ियाँ ढूँढे, पुलिस के पास भी केवल गाड़ी ढूँढने का काम तो है नहीं ! और फिर आपकी तो पुरानी गाड़ी थी। आपको अपनी गाड़ी का ध्यान खुद रखना चाहिए ! खैर, दयाराम जी ने जैसे-तैसे रिपोर्ट लिखवाई, वे जानते हैं कि गुमी हुई गाड़ी मिलना उतना ही असंभव है जितना कि देश में बिना रिश्वत के कोई काम का होना किन्तु एफआईआर लिखवाना जरूरी है ताकि कोई अपराधी यदि गाड़ी का उपयोग किसी अपराध में कर ले, तो सनद रहे।

घर लौटे तो बच्चों ने कहा - पुरानी गाड़ी थी भूल जाइए, नई दिलवा देते है। किन्तु उन्हे तो उस गाड़ी से विशेष लगाव था, वे नहीं माने। दयाराम जी अपने किसी भी पड़ोसी, रिशतेदार या मित्रों को जब स्कूटर गुमने की बात बतलाते तो कोई कहता जमाना ही खराब है, कोई पुलिस की नाकामी को दोष देता तो कोई किस्मत को, सब उन्हे तरह-तरह से सान्त्वना देते।

दयारामजी द्वारा बीमा कंपनी को बीते वर्षों में जो बीमा प्रीमियम का भुगतान किया था वह लगभग उस स्कूटर की कीमत के बराबर तो हो ही चुका था। दयाराम जी को विश्वास था कि गाड़ी का कम से कम बीमा है तो बीमा कंपनी, बीमा राशि का तुरंत भुगतान कर ही देगी किन्तु बीमा कंपनी ने गाड़ी की दोनों चाबियाँ उपलब्ध नहीं होने का कारण उनका क्लैम निरस्त कर दिया। दयाराम जी बड़े निराश हुए क्योंकि बीमा कंपनी के एजेंट ने इतने वर्षों में बीमा कंपनी की अत्यंत बारीक अक्षरों में लिखी गई शर्तों पर हस्ताक्षर करवाते समय यह कभी नहीं बताया कि गाड़ी गुम होने पर यदि दोनों चाबियाँ उपलब्ध नहीं हुई तो क्लेम निरस्त हो सकता है।

खैर, पुलिस ने एफआईआर लिख तो ली थी किन्तु ढूँढने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किए। एक दिन अचानक उनकी गाड़ी प्रकट हो गई, इसकी सूचना जब पुलिस को दी तो उन्होने पंचनामा बनाकर गाड़ी जब्त करने में जरा भी देर नहीं की, पंचनामा क्या बना, दयारामजी को लगा उनकी इज्जत का भी पंचनामा बन गया।

दयाराम जी ने अपनी साधारण बुद्धि का उपयोग कर थानेदार सा से कहा - गाड़ी मिल गई है, गाड़ी के दस्तावेज़ देख लें, पड़ोसियों की गवाह ले लें और एफआईआर निरस्त करके, गाड़ी हमें सुपुर्द कर दें। इसपर थानेदार ने उन्हे अपने पुलिसिया अंदाज में झिड़कते हुए समझाया कि अब तो आपको गाड़ी प्राप्त करने के लिए पूरी न्यायिक प्रक्रिया से गुजरना होगा अर्थात थाने और अदालत के चक्कर लगाना ही होंगे।

दयाराम जी ने पहले कभी कोर्ट नहीं देखी थी, बेचारे धक्के खाते-खाते कोर्ट पहुंचे, प्रक्रिया जानना चाही तो किसी ने उन्हे एक वकील के पास पहुंचा दिया, वकील सा ने नया मुर्गा देखा तो उनसे गाड़ी सुपुर्दगी आदेश तक की प्रक्रिया के शुल्क स्वरूप रुपये 3000 की मांग की गई। मरता क्या ना करता, उन्होंने थोड़ा मोलभाव किया तो वकील साहब रु 2500 में मान गए। दयाराम जी ने उनसे इस प्रक्रिया में लगने वाले समय की जानकारी मांगी तो वकील साहब ने उन्हे शीघ्र निपटान का आश्वासन दे दिया।

संबन्धित न्यायालय में उचित दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए और पेशी का सिलसिला आरंभ हुआ। आगामी तारीख पर दयारामजी न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत हुए तो न्यायाधीश ने उनसे ऐसे प्रश्न किए मानो वे अपराधी हों। प्रश्न पूछकर पुनः पेशी की नई तारीख। दयाराम जी ने वकील सा से पेशी की नई तारीख के बारे में पूछा तो वे बोले - दयारम जी ! आप कोई मंत्री, मुख्यमंत्री या बड़े नेता अथवा आतंकवादी तो है नहीं कि आपके लिए अदालत विशेष रूप से समय निकाल कर फैसला दे, आपको कम से कम दो चार बार तो अदालत में पेश होना ही पड़ेगा।

दयाराम जी गाड़ी गुम होने पर इतने दुखी नहीं थे जितना गाड़ी के मिल जाने के बाद, थाने और अदालत के चक्कर लगाने से परेशान हैं।

पर्यावरण

सलोनी बाहेती

लेखक अधिवक्ता हैं।

केवल पौधे लगा देने से पेड़ काटने की भरपाई संभव नहीं

भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा 18वीं द्विवार्षिक वन राज्य रिपोर्ट में कहा गया है कि वन क्षेत्र में 156 वर्ग किलोमीटर और 2021 से पेड़ कवर में 1289 वर्ग किलोमीटर में वृद्धि हुई है। तथ्य यह भी है कि पुराने प्राकृतिक वन और मिट्टी अत्यधिक कार्बन का स्टॉक करते है। भारत में धारणा है कि वृक्षारोपण से केवल आठ वर्षो में वर्तमान में मौजूदा जंगलों के कार्बन स्टॉक तक पहुंच सकते हैं। सन् 2018 में संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) ने भारत की इस धारणा को गलत बताया है। हमें समझना होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना उतना ही गंभीर है जितना कि मानव जीवन को नुकसान पहुंचाना। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि बढ़ी संख्या में पेड़ों को काटना मानव को मारने से भी बदतर है, 454 पेड़ों को काटने के बाद उनके द्वारा तैयार हरे क्षेत्र को फिर से पाने या फिर से बनाने में कम से कम 100 साल लगेंगे।

पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्ति जो भी होगा उसे यह देखकर पीड़ा होगी कि जहाँ जंगल हुआ करते थे वहां सड़क, भवन निर्माण आदि का कार्य चल रहा है। हाल ही में अखबार में छपी एक खबर पढ़ के आश्चर्य हुआ। खबर यह थी कि 'मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) को इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन रोड के निर्माण में बाधक करीब 3000 पेड़ हटाने की अनुमति मिल गई है। इंदौर और उज्जैन जिलों से अनुमति ली गई है। इनमें से स्थिति देखकर कुछ पेड़ हाईवे के आसपास ट्रांसप्लांट किए जाएंगे, जबकि कुछ को काटना पड़ेगा'।

एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक राकेश जैन ने अखबार प्रतिनिधि से चर्चा में बताया कि सिक्स लेन रोड के लिए बाधक 3000 पेड़ काटने में कोई दिक्कत नहीं है। ये पेड़ एमपीआरडीसी की जमीन पर लगे हैं और इन्हें एमपीआरडीसी ने ही लगाया है। चौड़ीकरण के बाद नए सिरे से पौधारोपण होगा और इनमे से कई पेड़ों को वैज्ञानिक पद्धति से उखाड़ कर दूसरी जगहों पर लगाने की कोशिश की जाएगी। यह खबर पढ़ कर कबीर दास जी दोहा याद आ जाता है-

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब॥

इसके ठीक विपरीत एक खबर और है। भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा 18 वी द्विवार्षिक वन राज्य रिपोर्ट में कहा गया है कि वन क्षेत्र में 156 वर्ग किलोमीटर और 2021 से पेड़ कवर में 1289 वर्ग किलोमीटर में वृद्धि हुई है। तथ्य यह भी है कि पुराने प्राकृतिक वन और मिट्टी अत्यधिक कार्बन का स्टॉक करते है। भारत में धारणा है कि वृक्षारोपण से केवल आठ वर्षो में वर्तमान में मौजूदा जंगलों के कार्बन स्टॉक तक पहुंच सकते हैं। सन् 2018 में संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) ने भारत की इस धारणा को गलत बताया है।

हमें समझना होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना उतना ही गंभीर है जितना कि मानव जीवन को नुकसाल पहुंचाना। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि 'बढ़ी संख्या में पेड़ो को काटना मानव को मारने से भी बदतर है, 454 पेड़ों को काटने के बाद उनके द्वारा तैयार हरे क्षेत्र को फिर से पाने या फिर से बनाने में कम से कम 100 साल लगेंगे।'

यह तथ्य भी गौरतलब है कि अधिकांश विकास परियोजनाएं इस बात को लक्षित करती हैं कि कितने पेड़ लगाए जाए ना कि कितने पेड़ समय के साथ जीवित रहेंगे या उनसे वांछित लाभ प्राप्त होगा अथवा नहीं।

विकास कार्यों में पेड़ों की कटाई के बदले पौधरोपण को प्रोत्साहित किया जाता है क्योंकि पौधे तेजी से विकसित होते हैं और इस कारण कार्बन लक्ष्यों को जल्दी प्राप्त किया जा सकता है। वर्षों पुराने पेड़ों को अक्सर बिना चिंता के आसानी से काट दिया जाता है और कह दिया जाता है कि काटे जाने वाले बड़े, घने और बड़े पेड़ों के बदले इतनी ही या ज्यादा संख्या में पौधे लगाने की कोशिश करेंगे। लेकिन लगाए गए पौधे कितने पनपे और पेड़ बने या नहीं यह सब किसी की चिंता में शामिल नहीं होता है। इसी कारण हम अपने पेड़ों और जंगलों को काटने की बहुत भारी कीमत चुकाने जा रहे हैं।

हालांकि, यह पौधरोपण जिसे सरकार क्षतिपूर्ति

वनरोपण कहती है मेरी राय में परिपक्व पेड़ों व जंगलों के नुकसान की पूर्ति नहीं कर सकता है। तथ्य यह है कि जब पूरी तरह विकसित पेड़ काट दिए जाते हैं तब उनकी कार्बन-अवशोषित क्षमता तुरंत खत्म हो जाती है। नए लगाए गए पौधे जब तक बड़े नहीं होंगे और काटे गए पेड़ के समान नहीं होंगे तब तक उनका पर्यावरणीय लाभ नहीं मिल सकता है। यानी ग्लोबल-वार्मिंग से कार्बन उत्सर्जन की समान मात्रा को अवशोषित करने में उतना ही समय लगता है जितना एक पौधे को पेड़ बनने में लगता है। नए लगाए गए पौधों का पेड़ बनना भी आसान नहीं है। इस राह में भी बहुत खतरे है जैसे कि अनावृष्टि, आग से नुकसान, खेती या बस्तियों के विस्तारीकरण आदि।

पौधरोपण के दौरान आमतौर पर एक ही प्रजाति और आकार-प्रकार के पौधे लगाए जाते हैं। ये आग, कीटों और महामारी से लड़ने में कमजोर होते हैं इस कारण इनका पनप जाना मुश्किल होता है। जबकि प्राकृतिक रूप से विकसित अधिक जैव विविधता वाले होते हैं। ये पारिस्थितिक कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं।

हमें जटिल पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए खासकर पेड़ काटने से उपजने वाले संकट के समाधान के लिए केवल पौधरोपण या पेड़ों की शिफ्टिंग जैसे महंगे और कम सफल निर्णयों पर पुनर्विचार करना होगा। पर्यावरणीय नुकसान के समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण से योजना बनानी चाहिए। भूमि संरक्षण, प्रबंधन और वित्तपोषण के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के साथ ही ऐसी योजनाएं बनाते समय यह सावधानी भी बरतना चाहिए कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय नुकसान से निपटने के उपाय क्या होंगे तथा इन लक्ष्यों को कहां और कैसे प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जाएगा।

'हिंदू ग्राम' कहीं सियासी शिगूफा तो नहीं ?

राजीव खंडेलवाल

'हिंदू राष्ट्र की मांग।' कहीं सिर्फ ''राजनीतिक शिगुफा'' तो नहीं?'' बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी ''हिन्दू एकता यात्रा'' के बाद बागेश्वर धाम (गढ़ा) में 'हिन्दू ग्राम' की नींव रखते समय जो कथन किया है, उस पर गौर करने की आवश्यकता है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि ''हिन्दू राष्ट्र का सपना हिन्दू घर से ही शुरू होता है। हिन्दू परिवार, हिन्दू समाज और हिन्दू ग्राम बनाने के बाद हिन्दू तहसील, हिन्दू जिला और हिन्दू राज्य बनेगा, तब कहीं जाकर हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना पूरी होगी। यह मकान लोग अपने जीवनकाल के लिए ले सकेंगे, उनका क्रय-विक्रय नहीं होगा।'' उनके इस बयान को दो दृष्टिकोणों से देखें। यहां इसका 'सामान्य अर्थ तो सीधा सादा है। परंतु क्या वह अर्थशास्त्री का है?'' एक दृष्टिकोण बिल्कुल सरल है। एक जगह, ''ग्राम'' में लगभग 1 हजार तिमंजिला मकान बनाना, उस कॉलोनी का नामकरण ''हिन्दू ग्राम'' करना व उसमें सिर्फ सनातनी हिंदुओं ही बसाना पूर्णतः एक वैधानिक कार्य होकर एक नागरिक का संवैधानिक अधिकार भी है। बाबा ने हिन्दू-सनातनी धर्म शब्द का उपयोग किया है। वैसे हिंदू धर्म और सनातनी धर्म जितना एक-सा दिखता है, उतना है नहीं। इस बस्ती के लिए जमीन बागेश्वर धाम समिति ने उपलब्ध कराई है। हालांकि बाबा आत्ममुग्धता की स्थिति में ''खुद ही नाचे, खुद ही निछावर करे और खुद ही बलैयां ले'' की भूमिका में हैं। उक्त ग्राम में निर्माण की धनराशि मकान लेने वालों से ली जाएगी जो 15 लाख से 17 लाख तक होगी। प्रोजेक्ट दो साल में पूरा होगा। महत्वपूर्ण बात यह कि इस हिन्दू गांव में रहने वालो की जीवन शैली ''वैदिक संस्कृति'' पर आधारित होगी।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को धरातल पर उतारने के तारतम्य में ''राष्ट्र'' के गठन के लिए जोड़ने वाली प्राथमिक ''ग्राम इकाई'' से लेकर ''राज्य स्तर'' की ईकाई के अनुसार ही हिंदू राज्य, हिंदू जिला, हिंदू तहसील, हिंदू ग्राम, हिंदू समाज, और हिंदू परिवार को ''कट्टर हिन्दू'' बनाना चाहते हैं। तकनीकी रूप से यह भले सही हो, परन्तु बाबा बागेश्वर धाम को पहले यह बतलाना होगा कि उनके ''हिन्दू राष्ट्र'' में कट्टर हिन्दू बनाने से लेकर हिन्दू ग्राम बनाने के बाद अगले क्रम में मेरे जैसे एक हिन्दू को और क्या करना होगा, और कौन-कौन सी आहुतियां उनके विचारों के हिन्दू राष्ट्र बनाने के महायज्ञ में देनी होगी? क्योंकि मैं ''जन जन भीतर राम जी, ज्यों चकमक में आग'' की उक्ति का अनुसरण करने वाले एक ''हिन्दू'' के नाते स्वयं को उस हिन्दू राष्ट्र का रहवासी व नागरिक मानता हूं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ''सर्वधर्म, समभाव'' की भावना संवैधानिक रूप से और वास्तविक धरातल पर ''सबका साथ सबका विकास'' के मूल मंत्र के साथ मौजूद है।

हिंदू राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक कट्टर हिंदू

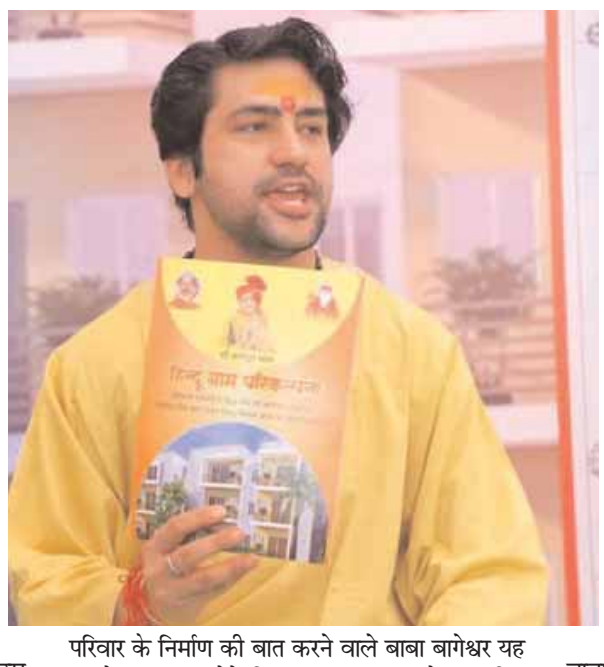

परिवार के निर्माण की बात करने वाले बाबा बागेश्वर यह बताने का कष्ट करेंगे कि इस ''कट्टरता'' में क्या हिंदू समाज की रीढ़ की हड्डी ''संयुक्त हिंदू परिवार'' जो हमारी संस्कृति की जीवन शैली की पहचान व व्यवस्था थी, जो आज बिखर सी गई है, ''शामिल है, अथवा नहीं''? इसे बिखरने से रोकने के लिए और उसे पुनः जोड़ने के लिए कौन सा अभियान बाबा ने कभी चलाया है? ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार धर्मांतरण द्वारा परिवर्तित हिंदुओं की ''धर्म वापसी'' का कार्यक्रम करते हैं। इसके लिए क्या उन्होंने अपने कथा वाचन में कभी एक शब्द भी कहा है?

पंडित धीरेंद्र शास्त्री का उक्त बयान न केवल अनावश्यक बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द्र को भंग करने वाला ''उत्प्रेरक कथन'' है। यह संविधान में दी गई बोलने की स्वतंत्रता के मूल अधिकार तथा अनुच्छेद 19 (5) पर भी अतिक्रमण करता है। क्योंकि कोई भी मूल अधिकार पूर्ण (एब्सोल्यूट) नहीं है। उक्त बयान पर कांग्रेस व भाजपा की प्रतिक्रिया भी बेहद निराशाजनक है, जो सिर्फ राजनीति से प्रेरित होकर आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित है। राष्ट्रहित की बात तो निरंक है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण आपको मिल जाएंगे, जब किसी व्यक्ति को कम समय में अपनी क्षमता से ज्यादा सफलता मिल जाती है, तो वह घमंडी होकर सिर चढ़ के बोलने लगता है। उल-जलूल बयान देकर वह यह मानकर चलता है, कि उसकी हर बात को उसको चाहने वाले आंख मूंद कर स्वीकार कर लेंगे। लेकिन ऐसा होता नहीं है। 'क्या बाबा का हिंदू राष्ट्र भागवतजी की हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से अलग है?

बाबा अपने हिन्दू राष्ट्र, की अवधारणा को ''पढ़े-लिखे धर्मभीरू हिन्दू'' व ''अनपढ़ धर्म प्रेमी हिन्दू'' पर थोपने के पूर्व मोहन भागवत जी के गाजियाबाद में एक किताब के विमोचन के अवसर पर दिये गये कथन को सुन लें, पढ़ लें। ''यह सिद्ध हो चुका है कि हम पिछले चालीस हजार साल से एक पूर्वजों के हैं। सभी भारतीयों का डीएनए एक है, भले ही वे किसी भी धर्म के क्यों न हो। इसमें हिंदू-मुस्लिम के एकजुट होने जैसी कोई बात नहीं है। सभी लोग पहले से ही साथ हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल ने फरवरी 1949 में यह कहा था ''हिंदू राज पागलपन भरा विचार है।'' यद्यपि सरदार पटेल ने ''हिंदू राष्ट्र'' की बजाय ''हिंदू राज'' शब्द का उपयोग किया था। परन्तु वर्ष 1950 में अपने एक उद्बोधन में यह कहकर कि भारत एक ''धर्म निरपेक्ष राज्य'' है, भारत न तो हिंदू देश बन सकता है और न ही हिंदू धर्म भारत सरकार का धर्म बन सकता है, स्थिति स्पष्ट कर दी थी।

यदि आप वास्तव में बाबा की नजर का हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तब भी आपको 20 प्रतिशत मुस्लिम एवं अन्य धर्मावलंबियों को छोड़कर, शेष समस्त व्यक्तियों को ''सनातनी हिंदू'' बनाना होगा? क्या बाबा इसके लिए तैयार हैं? अथवा क्या बाबा राजनीतिक रोटियां सेंकने के प्रयास में अस्थायी रूप से अपनी टीआरपी बढाना चाहते हैं? हिन्दू समाज के इस तरह के संत कथा वाचको ने ही हिन्दू समाज का बड़ा बेड़ागर्क किया है। हिन्दू समाज के बीच विभिन्न वर्गो के बीच ''समरसता'' पैदा करने का कोई प्रयास ये संत नहीं कर रहे हैं, जो उनका पहला दायित्व है। यदि हिन्दू समाज में ''समरसता'' होगी, तो निश्चित रूप से देश ''हिन्दू राष्ट्र'' ही होगा। क्योंकि उस समरसता के भाव में सिर्फ हिन्दू ही एक नहीं होगा, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के बीच समरसता का भाव होगा, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति अथवा सम्प्रदाय का क्यों न हो।

श्रद्धांजलि : मनोज कुमार

सामाजिक जटिलताओं को समझने वाला एक संवेदनशील फिल्मकार

शशांक दुबे

अच्छा विद्यार्थी अक्सर क्लास में टीचर का लेक्चर सुनते समय यह सोचता रहता है कि यदि टीचर बना, तो इस लेक्चर को उस तरीके से और उस लेक्चर को इस तरीके से पढ़ाऊँगा। कभी-कभी तो वह कल्पना के कुएं में इतना गहरा उतर जाता है कि यह भी सोचने लगता है कि उसके लेक्चर पर विद्यार्थियों का रिस्पांस कैसा होगा और कॉलेज में उसकी टीआरपी कहाँ तक पहुँचेगी। संभावनाओं की यह खेती शिक्षा जगत तक ही सीमित नहीं है, खिलाड़ी भी 'कप्तान बनने पर फील्डिंग ऐसी जमाऊँगा' और सरकारी मुलाज़िम भी 'बॉस बनने पर मेरा अजेंडा यह होगा' जैसे विचारों में गोते लगाते रहते हैं। फिर फ़िल्म कलाकार भला कैसे अछूते रहें? शूटिंग के दौरान अक्सर वे यह सोचते हैं कि यदि वे निर्देशक बने तो कैसे संवाद रखवाएंगे, कैसा गीत-संगीत होगा, कैमरे का प्लेसमेंट कैसा रखेंगे। दरअसल हर छात्र के भीतर एक अध्यापक, हर खिलाड़ी के भीतर एक कप्तान और हर कलाकार के भीतर एक निर्देशक छुपा बैठा है, जो बाहर निकलने को बेताब है।

शायद इसीलिए 'रेशमी रुमाल' (1961), 'घर बसाके देखो'(1962), 'अपना बनाके देखो'(1963), 'गृहस्थी'(1963) जैसी मामूली और 'हरियाली और रास्ता'(1962), 'वह कौन थी' (1964), 'हिमालय की गोद में' (1965) व 'गुमनाम'(1965) जैसी सफल फ़िल्मों में काम करते-करते फ़िल्म निर्माण की प्रक्रिया के तमाम पहलुओं को देखते-बुनते मनोज कुमार के मन में भी फ़िल्मकार बनने की इच्छा जागी और ट्रायल के तौर पर एक गुमनाम व्यक्ति एस. राम शर्मा को निर्देशक की कुर्सी पर बिठाकर 'शहीद' (1965) फ़िल्म शुरू की। लगभग सालभर तक चली शूटिंग के दौरान एस. राम शर्मा का काम यही था कि जहाँ शूटिंग हो रही है, वहाँ पहुँचो, खाओ-पियो, लोगों से मिलो-बतियाओ और शाम को पैक-अप होते ही घर की ओर कूच कर लो। निर्देशन की पूरी बागडोर मनोज कुमार ने सम्हाली। फ़िल्म रिलीज़ होने से पहले इसके 'मेरा रंग दे बसंती चोला', 'ऐ वतन ऐ वतन, हमको तेरी कसम' और 'जोगी हमतो लुट गए तेरे प्यार में' गीत समा बांध चुके थे, शहीद भगत सिंह के रूप में मनोज कुमार का गेटअप और इन गानों का फ़िल्मांकन देखने के लिए लोग थियेटरों पर टूट पड़े।

'शहीद' को तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने बहुत सराहा और उन्होंने मनोज को अपने नारे 'जय जवान, जय किसान' पर फ़िल्म बनाने के लिए प्रेरित किया। दुर्भाग्य से थोड़े समय बाद ही शास्त्रीजी नहीं रहे, लेकिन मनोज कुमार तब तक मन बना चुके थे। निर्देशक के रूप में पारी की शुरुआत करते ही सबसे पहला काम मनोज कुमार ने यह किया कि नायक के रूप में अपनी छवि को 180 डिग्री से पलटते हुए आइंदा परदे पर नायिका को न छूने का संकल्प लिया। इस प्रकार जो मनोज कुमार कभी 'गुमनाम' (1965) में नंदा के साथ बारिश में चिपकते हुए 'जाने चमन शोला बदन, पहलू में आ जाओ' गाते थे या 'अमानत' में साधना को थपथपाते हुए 'तेरी जवानी तपता महीना, ऐ नाज़नीना' गुनगुनाते थे, वे नायिका से प्यार-मुहोब्बत की बातें भी बिल्कुल दूर रहकर करने लगे। 'उपकार' (1967) या 'पूरब और पश्चिम' (1970) तो फिर भी मनोज की फ़िल्में थीं, सोहन लाल कंवर की 'बेईमान' (1972) व 'सन्यासी' (1975) और मदन मोहला की 'दस नंबरी' (1976) तक में वे नायिका से दूर-दूर ही रहे।

इसका मतलब यह नहीं था कि मनोज की फ़िल्मों में गर्म या उत्तेजक दृश्य नहीं होते थे। होते थे, बल्कि कहना न होगा, जम कर होते थे। 'उपकार' में 'गुलाबी रात की हर बात गुलाबी', 'शोर' (1972) में 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा', 'रोटी कपड़ा और मकान' (1974) में 'तेरी दो टकिया की नौकरी में मेरा लाखों का सावन जाए रे' और 'क्रांति' (1981) में 'ज़िंदगी की ना टूटे लड़ी' गानों में नायिका या अन्य महिला कलाकारों को उन्होंने

खूब एक्सपोज़ किया, बस खुद मुँह पर हाथ रख खामोशी से तमाशा देखते रहे। यह वैसा ही है, जैसा गाली न देनेवाले आदमी का किन्हीं दो आदमियों के बीच हुए झगड़े का ब्योरा पेश करते समय उनके द्वारा की गई गाली-गलौज को जस-का-तस आपके सामने दोहराकर अपना मुँह साफ करना। मनोज कुमारजी, इसी तरीके से निगाह साफ कर लिया करते थे।

मनोज की 'उपकार' ने तत्कालीन सिनेमा में सादगी, देशभक्ति और मिट्टी के संस्पर्श का अनूठा फॉर्मूला पेश किया था। अक्सर मनोज कुमार पर देशभक्ति को एक फॉर्मुले के रूप में इस्तेमाल कर इसे सतही रूप में पेश करने के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन फ़िल्म-निरपेक्ष लघु-पत्रकारिता में बार-बार कोट की गई इस बात को अंतिम सत्य मानकर भारत कुमार की फ़िल्मों को हिकारत की नज़र से देखनेवाला पाठक यह भूल जाता है कि मनोज कुमार हिंदी सिनेमा के ऐसे पहले फ़िल्मकार हैं, जिन्होंने मुख्यधारा के सिनेमा में देश की समस्याओं को रखने की शुरुआत की थी। उनकी आरंभिक तीन फ़िल्मों 'शहीद', 'उपकार' और 'पूरब और पश्चिम' में दर्शित देशभक्ति को तमाम प्रस्तुतिजन्य अतिरंजनाओं के बावजूद शुबहा की नज़र से नहीं देखा जा सकता।

मनोज की एक सामाजिक संवेदनशीलता का जिक्र जरूरी है। प्रायः अपने लोक-साहित्य में 'सौतेली माँ' को नकारात्मक चरित्र के रूप में ही पेश किया जाता रहा है। परिणाम यह हुआ है कि जिन घरों में बच्चे छोटे हों और माँ को यदि मामूली सा बुखार भी आ जाए, तो बच्चे यह सोच-सोचकर रोने लगते हैं कि यदि माँ चल बसी तो पापा दूसरी शादी कर लेंगे और फिर सौतेली माँ हम पर खूब जुल्म ढाएगी। लेकिन मनोज के लिए माँ, माँ है, सगी या सौतेली नहीं। उनकी 'उपकार' में भारत के सामने जब सौतेला भाई (प्रेम चोपड़ा) खड़ा होता है, तो माँ (कामिनी कौशल) सत्य का साथ देते हुए सगे बेटे का त्याग कर सौतेले का हाथ थामती है। दरअसल मनोज कुमार रूढ़ीवादी समाज की जटिलताओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ समझते हैं और परंपराओं के मुकाबले सत्य की इतनी पुरज़ोर वकालत करते हैं कि उनकी बात पुरानी से पुरानी पीढ़ी तक के गले उतर जाती है।

प्रसंगवश मनोज की 'पूरब और पश्चिम' का उल्लेख करना गैर-मौजूं न होगा, जिसमें पति के कुकर्मों से त्रस्त होकर निरुपा रॉय अपने माथे से हमेशा-हमेशा के लिए सिंदूर मिटाकर आजीवन विधवा का रूप धर लेती है और उसी के बरक्स आज़ादी की लड़ाई में शहीद हुए पति की याद में कामिनी कौशल हमेशा टीका लगाकर रखते हुए यह कहती हैं कि शहीदों की पत्नियाँ कभी बेवा नहीं होती। मनोज इस तालीपीट संवाद के बाद भी चुप नहीं बैठते। इसी फिल्म में जब कामिनी कौशल के घर नई बहू का आगमन होता है, तो दहलीज पर पानी छोड़ने की रस्म वे नहीं निभाती, यह काम वे निरुपा रॉय से करवाती हैं, क्योंकि समाज में यह परंपरा चली आई है कि नई बहू का स्वागत सुहागन स्त्री द्वारा किया जाता है। छोटे परदे पर जो लोग अक्सर अपना मुँह छुपाकर मनोज कुमार की भौंडी नकल उतारकर दर्शकों का जो तथाकथित मनोरंजन करते हैं, कभी वे मनोज की इस सूक्ष्म संवेदनशीलता पर भी निगाहें करम करेंगे?

हालांकि समसामयिक समस्याओं पर चोट करते समय 'रोटी, कपड़ा और मकान' में वे कुछ लाउड हो गए और 'क्रांति' महज भ्रांति बनकर रह गई। अस्सी के दशक के उत्तरार्ध में आई 'कलयुग और रामायण' (1987), 'संतोष' (1989), 'क्लर्क' (1989) और 'देशवासी' (1991) तक तो वे पूरी तरह से चूक चुके थे। इसके बाद यू-ट्यूब पर आकर यादों की जुगाली करने या छिटपुट राजनीतिक रैलियों में सहभागिता करने के अलावा वे प्रायः खामोश ही रहे। कल 4 अप्रैल को इस फ़ानी दुनिया से विदा लेने से पहले वे यह सुनिश्चित कर चुके थे कि जब कभी हिंदी सिनेमा का इतिहास लिखा जाएगा, अपनी शुरुआती तीन फ़िल्मों की विषयवस्तु और इन सहित शेष सभी फ़िल्मों में हर-इक दृश्य के विशिष्ट संयोजन और कैमरा-स्थापन के लिए मनोज कुमार को हमेशा याद किया जाएगा।

मुस्लिम महिला को दहेज प्रताड़ना एवं ट्रिपल तलाक देने वाले ससुराल पक्ष पुलिस गिरफ्त में

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने मुस्लिम महिला को दहेज प्रताड़ना एवं ट्रिपल तलाक देने वाले पति सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 3 जनवरी 2025 को फरियादिया सबा अली पति शोएब अली निवासी मोती वार्ड बैतूल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी शादी 19 मई 2024 को शोएब अली पिता रईस

अली के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से संपन्न हुई थी। शादी के पांच दिन बाद से ही पति शोएब अली, सास हनीफा अली, ससुर रईस अली एवं देवर शाहदाब अली द्वारा दो लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। फरियादिया ने बताया कि 31 अक्टूबर 2024 को दोपहर में आरोपियों द्वारा उसे मारपीट कर दो मंजिला छत से नीचे गिरा दिया गया, जिससे उसका गर्भपात हो गया। कोतवाली पुलिस ने शिकायत पर धारा 85, 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

खनिज विभाग ने गिट्टी एवं मुरूम के अवैध भण्डारण पर की बड़ी कार्यवाही

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार खनिज विभाग एवं राजस्व अमले ने बुधवार को आमला क्षेत्र में गिट्टी एवं मुरूम के अवैध भण्डारण पर की बड़ी कार्यवाही है। खनिज अधिकारी मनीष पालेवार ने बताया कि खनिज विभाग एवं राजस्व अमले ने आमला रेलवे स्टेशन परिसर का संयुक्त रूप से मौका निरीक्षण किया। इस दौरान जांच में पाया गया कि आमला रेलवे स्टेशन परिसर के समीप स्थित शासकीय भूमि ख.क्र. 742 रकबा 138.762 हेक्टेयर के अंश

भाग पर निर्माणाधीन न्यू पार्किंग एरिया, रेल्वे न्यू बुकिंग ऑफिस एवं आंतरिक मार्गों के निर्माण में उपयोग किए जा रहे गौण खनिज गिट्टी एवं मुरूम का भण्डारण बिना अनुमति किया जाना पाया गया। तहसीलदार आमला एवं सहायक खनि अधिकारी बैतूल द्वारा आमला रेल्वे स्टेशन परिसर के निर्माण स्थल के सभीप अवैध रूप से भंडारित खनिज गिट्टी की माप की गई। नाप अनुसार खनिज गिट्टी की कुल मात्रा 666 घन मीटर एवं खनिज मुरूम की कुल मात्रा 191 घन मीटर पाई गई। मौके पर उपस्थित प्रोजेक्ट इंचार्ज सुमित पिता सुरत सिंह पारधे निवासी ग्राम खेरा बालाघाट द्वारा बताया गया कि वह ट्राई कनेक्ट इंफा प्राईवेट लिमिटेड रामदास पेठ नागपुर की कंपनी में कार्य करते हैं और उक्त खनिज गिट्टी जिले की विभिन्न क्रेशरों से एवं खनिज मुरूम कृषि भूमि के समतलीकरण व तालाब निर्माण से निकली मुरूम को परिवहन कर उक्त स्थल पर भण्डारित की गई है। उसके पास उक्त खनिजों के भडारण करने की अनुमति संबंधी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। तहसीलदार आमला एवं सहायक खनि अधिकारी बैतूल द्वारा मौके पर कंपनी के द्वारा बिना अनुमति के अवैध रूप से भण्डारित खनिजों को जप्त किया।

दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजनों को सहायक उपकरणों का किया वितरण

बैतूल। भारत सरकार की एडीप एवं वयोश्री योजनान्तर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने जनपद पंचायत चिचोली में शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदाय किए गए। शिविर में विधायक गंगाबाई उइके, जनपद अध्यक्ष सरस्वती उइके, उपाध्यक्ष सुनीता दीपक

बारस्कर, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा मालवीय एवं अन्य क्षेत्रीय जनपद सदस्य सुमन बिहारे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामगोपाल रजक के द्वारा जनपद पंचायत चिचोली, भीमपुर एवं नगर परिषद चिचोली क्षेत्र के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को जीवन उपयोगी उपकरण प्रदान किये गये। इस अवसर पर दिव्यांग मुकुनराव बारस्कर आयु 41 वर्ष ग्राम जोगली ने बैटरी ऑपरेटेड मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने पर अत्यधिक खुशी जाहिर की एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामगोपाल रजक ने उपस्थित अतिथियों, एम्पिको जबलपुर से आए विशेषज्ञों, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जनपद पंचायत चिचोली एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं से बढ़ा तापमान, सीएमएचओ ने गर्मी से बचने जारी की एडवाइजरी

गर्मी के तेवर: दिन का तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा, बदला स्कूलों का समय

संजय द्विवेदी, बैतूल। राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी है। दिन में तेज गर्मी पढने के साथ-साथ अब राते भी गर्म हो गई है। न्यूनतम तापमान 22 डिग्री पर पहुंच गया है। रात में भी अब बिना पंखे-कूलर के रहना मुश्किल हो गया है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक राजस्थान के तरफ से आने वाली गर्म हवाओं के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। आगामी दो दिन तक तेज गर्मी पड़ने की संभावना बनी है। गुरुवार का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। न्यूनतम तापमान भी 22 डिग्री के आसपास है। गर्मी के तेवर इतने अधिक बढ़ गए कि बिना कूलर, पंखे के रहना मुश्किल हो गया है। सुबह 8-9 बजे से ही धूप चुभने लगती है। शाम 5 बजे तक तेज धूप खिलने से गर्मी के तेवर बहुत अधिक देखने को मिल रहे है। दोपहर के समय गर्मी के कारण रास्ते भी सूने हो जाते है। लोग घरों में दुबकने के लिए मजबूर है। दिन में गर्मी से बचने के लिए लोग तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। घर से निकलते समय चश्मे, गमछे का सहारा लेने मजबूर होना पड़ रहा ।

शीतल पेय पदार्थ और तरबूज-खरबूजे की बढी मांग- बढ़ती गर्मी के बाद शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ गई है। लोग तेज गर्मी से बचने के लिए शीतल पेय पदार्थों का सहारा लेने लगे है। गर्मी के दस्तक देते ही शहर में जगह-जगह नारियल पानी, गन्ने का जूस, फलो का जूस, नीबू पानी इत्यादि की दुकानें लग गई है। इन

दुकानों पर सुबह से लेकर रात तक भीड़ लगी रहती है। गर्मी के मौसम नारियल पानी की डिमांड बढ़ने से नारियल के दाम भी बढ गए है। 70 से 80 रुपए में एक नारियल पानी बिक रहा है। इधर इन दिनों बाजार में चौक-चौराहों पर खरबूजे और तरबूजे की दुकानें सज गई है। दुकान संचालकों का कहना है कि जब से गर्मी बढ़ी है तब से तरबूजे-खरबूजे की मांग भी बढ़ गई है। जिला मुख्यालय पर 30 से 40 रूपए प्रति किलो के हिसाब से तरबूजे बिक रहे है। तरबूजे में पानी की मात्रा अधिक होने के कारण डॉक्टर भी इसे अधिक सेवन करने की सलाह देते है और यह शरीर के लिए फायदेमंद भी है।

लू चलने की संभावना- मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक हवाओं का रूख बदलने से गर्मी के तेवर बढ़ गये है। राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं में झुलसा दिया है। नर्मदापुरम संभाग के कुछ जिलों में आगामी भीषण गर्मी पड़ने और लू चलने की संभावना बनी है। जिसे लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश परिहार ने बताया कि लू (तापघात) से बचाव एवं उपचार के लिए जारी एडवायजरी जारी करते हुए कहा कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना आदि लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पियें व खाली पेट न रहें। सर ढकें, हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपडे पहनें। धूप में नंगे पाँव न चलें।

स्कूलों का बदला समय, आज से 12 बजे के पहले तक ही संचालित होंगी शालाएं

बैतूल। जिले में बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सरकारी-निजी स्कूल दोपहर 12 से पहले तक ही संचालित होगे। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने ग्रीष्म ऋतु में बढ़ते तापमान के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए बुधवार को आदेश जारी कर शाला संचालन के समय में परिवर्तन किया है। जारी आदेश के अनुसार जिले में संचालित सभी शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन समय दोपहर 12 बजे से पहले निर्धारित किया गया है। यह आदेश नर्सरी से कक्षा 12वीं तक की सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, सीबीएसई, नवोदय, केंद्रीय आदि शैक्षणिक संस्थाओं पर लागू होगा। हालांकि परीक्षाएं पूर्व निर्धारित समय अनुसार ही संचालित की जाएंगी। स्कूलों का समय बदले जाने से बच्चों और स्टाफ को गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। आपको बता दे कि सुबह सवेरे समाचार पत्र द्वारा विगत दिनों पारा 40 पार, तपती दोपहर में मासूमों का स्कूल सफर.. शीर्षक में खबर का प्रकाशन किया था। जिसके बाद जिला कलेक्टर ने स्कूल समय में बदलाव किया है। गौरतलब रहे कि जिले में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। सुबह 10 बजे से ही तेज धूप चुभ रही है। वहीं गर्म हवा और लू से भी सभी परेशान हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों को सुबह तो कोई ज्यादा परेशानी नहीं हो रही थी, लेकिन दोपहर को स्कूल से छुट्टी होने के बाद तेज धूप और लू के कारण उन्हें खासी दिक्कत झेलना पड़ रही है। इसको लेकर संगठनों द्वारा भी प्रशासन से स्कूलों का समय बदलने की मांग की थी। इसमें कलेक्टर से स्कूलों का समय बदलने का अनुरोध किया था।

पिछले एक सप्ताह का यह रहा तापमान

तिथि	अधिकतम	न्यूनतम
3 अप्रैल	33.4	18.5
4 अप्रैल	36.0	20.7
5 अप्रैल	36.0	19.2
6 अप्रैल	39.0	18.8
7 अप्रैल	40.0	19.7
8 अप्रैल	40.2	21.0
9 अप्रैल	39.2	24.2
10 अप्रैल	38.5	24.1

इनका कहना है -

अगले एक सप्ताह तक तापमान ऐसा ही रहने का अनुमान है। यदि बादल छाए रहते है तो तापमान में जरुर थोड़ी गिरावट हो सकती है। बूंदाबांदी होती है तो मूंग की फसल के लिए यह फायदेमंद साबित होगी।

- विजय कुमार वर्मा, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल

बैतूल विधायक ने सीएम राइज के विद्यार्थियों को कराया शैक्षणिक भ्रमण

बैतूल। सीएम राइज विद्यालय घोड़ाडोंगरी में 9वी से 12वीं कक्षा के नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों को बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा विकासखंड भीमपुर के महूपानी ग्राम में स्थित भारती एग्रो क्लस्टर का भ्रमण करवाया गया। दल में सीएम राइज विद्यालय के 150 विद्यार्थियों, 18 शिक्षक शामिल थे। शैक्षिक भ्रमण में समस्त विद्यार्थियों के आने-जाने के लिए निशुल्क बस सेवा आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खंडेलवाल ने उपलब्ध करवाई। इन्हीं के सहयोग से भारती एग्रो क्लस्टर में स्थित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण विद्यार्थियों द्वारा किया गया जिसमें प्रमुख रूप से फ्रोजन, एथेनॉल एवं दुग्ध डेयरी प्रमुख थी। इन इकाइयों के तकनीकी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को इसके संचालन की

विधियों को विस्तृत रूप से समझाया एवं विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों को संतोषजनक जवाब दिया। भविष्य में निर्मित होने वाली विभिन्न इकाइयों के बारे में भी जानकारी दी गई। विद्यार्थी इस भ्रमण से काफी उत्साहित एवं प्रसन्नचित दिखे। इसके पश्चात टेकरी पर डेवलप हो रहे फॉरेस्ट टूरिज्म इकाइयों के बारे में भी जानकारी दी गई एवं ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक किस प्रकार इससे रोजगार से जुड़े सकते हैं की जानकारी प्रदान की गई। छात्रों का भ्रमण पूर्ण होने के पश्चात भारती एग्रो क्लस्टर के डायरेक्टर वरद खंडेलवाल ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इस प्रोजेक्ट के विजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सीएम राइज विद्यालय घोड़ाडोंगरी के प्राचार्य विवेक तिवारी ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा निर्मित गिफ्ट विधायक हेमंत खंडेलवाल, श्रीमती ऋतु खंडेलवाल, वरद खंडेलवाल को भेंट किए गए।

कब होगा ताप्ती शनि सरोवर और कुंडों का सुधार कार्य

जिले में चल रहा है जल संवर्धन अभियान, पवित्र नगरी में दम तोड़ रहे हैं परंपरागत जल स्रोत

बैतूल/ मुलताई। संपूर्ण जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से संपूर्ण जिले में परम्परागत जल स्रोत कुओं, तालाबों के संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि संपूर्ण जिले के अभियान का आरंभ पवित्र नगरी ताप्ती उद्गम मुलताई से किया गया, किंतु एक माह तक चलने वाले इस अभियान में संपूर्ण जिले का गौरव मुलताई के ताप्ती उद्गम स्थल ताप्ती सरोवर, शनि सरोवर, ताप्ती कुंडो का संरक्षण शामिल नहीं है, जबकि इस अभियान के माध्यम से परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण की जिले में सर्वाधिक आवश्यकता ताप्ती श्री क्षेत्र को है। ताप्ती सरोवर के घाट दम तोड़ रहे हैं। सरोवर के करबला घाट का निर्माण कार्य स्व. पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता पवार के कार्यकाल में हुआ था। राशि कम होने के कारण यह कार्य पूरा नहीं

हो सका था। यह अधूरा कार्य दो दशक से अधिक समय से अधूरा है। गजानन मंदिर के सामने ताप्ती घाट की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है, जो कभी भी टूट सकती है। इसके साथ ही परिक्रमा क्षेत्र में बनाया गया। ढोब का लोहे का पिलर भी ढह सकता है। नगर वासी 25 वर्षों से शनि सरोवर और ताप्ती सरोवर को जोड़ने वाले सुलुश गेट के नव निर्माण की मांग कर रहे हैं। यह गेट खराब होने के कारण ताप्ती सरोवर के पानी का रिसाव होता है। जिससे सरोवर का जलस्तर समय से पहले ही कम हो जाता है। इस अभियान की जानकारी लंबे समय से जिले के संपूर्ण अधिकारी और नेताओं को थी, किंतु किसी ने भी ताप्ती, शनि सरोवर और कुंड के सुधार कार्य को इस योजना से जोड़ने का प्रयास नहीं किया। रोचक तथ्य यह भी है कि संपूर्ण जिले के कार्यक्रम का आरंभ ताप्ती तट से होने के बावजूद एक भी जनप्रतिनिधि का ध्यान इस और नहीं गया। लोग इसे पवित्र नगरी के पवित्र जल स्रोतों की उपेक्षा मान रहे हैं।

ताप्ती विकास के लिए जनप्रतिनिधियों से आस

इस जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल पूर्व रोजगार निर्माण बोर्ड अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता हेमंत विजय राव देशमुख ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ताप्ती के विकास के लिए क्षेत्र की जनता हमारे जागरूक जनप्रतिनिधि विधायक चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहे हैं। हेमंत देशमुख एकमात्र जनप्रतिनिधि थे जिन्होंने ताप्ती के विकास की बात की हालांकि उनके कथन का कितना प्रभाव होगा यह तो कहना कठिन है किंतु ताप्ती और शनि सरोवर की बिगड़ती हालत चिंता का विषय बनी है जिसे जनप्रतिनिधि और शासन को गंभीरता से लेना चाहिए।

हनुमान जयंती पर केसरीनंदन हनुमान मंदिर बड़ा नीम इटारसी रोड पर होगा भव्य आयोजन

बैतूल। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 11 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर चमत्कारी श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर बड़ा नीम इटारसी रोड बैतूल की समिति द्वारा हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही है।

कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष दयाराम यादव ने बताया कि शुक्रवार 11 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से अखंड रामायण पाठ का आयोजन शिवमानस समिति प्रमुख श्री सोलंकी एवं उनकी मंडली द्वारा शुरू किया जायेगा, जो शनिवार 12 अप्रैल की दोपहर तक चलेगा। इसके बाद मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित गोस्वामी जी एवं मंदिर समिति के सदस्यों जिनमें प्रकाश धोटे, राजा वाग्द्रे, संजु साहू, बवन पवार, कृष्णा वागद्रे, सुनील सोनी, अरुण चढ़ोकार,मंगलमूर्ति बराठे, पटवा एवं टेकाम जी आदि द्वारा हवन-पूजन का कार्यक्रम किया जायेगा। इसके बाद में भजन मण्डली प्रमुख संजू बघेल द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम शाम 3.30 बजे से किया जाए। शाम 5 बजे से महाप्रसादी का वितरण भी किया जाएगा। इसके बाद रात्रि 9 बजे महाआरती का आयोजन होगा। श्री केसरी नंदन जन्मोत्सव समिति

बड़ा नीम के सभी सदस्यों ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से जन्मोत्सव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

सज कर तैयार हनुमान डोल का हनुमान मंदिर

हवन के बाद भंडारा में बंटेगी प्रसादी

बैतूल। सतपुड़ा के घने जंगल हनुमान डोल में स्थित चमत्कारी हनुमान मंदिर 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव को लेकर सज कर तैयार हैं। यहां पर हवन पूजन के उपरांत विशाल भंडारा में प्रसादी बांटी जाएगी। श्री हनुमान डोल वेलफेयर समिति के अध्यक्ष राहुल चिंटू शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर को सजाया गया है। भगवा झंडे लगाकर परिसर को भगवामय किया जा रहा है। समिति के सचिव अमरीश सोनू शर्मा एवं उपाध्यक्ष शैलेश गुबरेले ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पूरे भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाने को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है। यहां सुबह 7 बजे से हवन प्रारंभ होगा। सुबह 10 बजे हवन में पूर्णाहूति के उपरांत विशाल भंडारा शुरू होगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसादी दी जाएगी। समिति के धर्मेंद्र गोठी एवं अनिल सिंह ठाकुर ने बताया कि समिति सदस्य और समाजसेवी मुकेश खंडेलवाल की पहल पर हनुमान जन्मोत्सव पर कमानी गेट के पास से सुबह 11 बजे से हनुमान डोल तक निःशुल्क बस सेवा प्रारंभ होगी। यह बस श्रद्धालुओं को वापस बैतूल तक लेकर भी आएगी। बस सेवा शाम 6 बजे तक चलेगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से निःशुल्क बस सेवा का लाभ लेकर हनुमान डोल पहुंचकर भंडारा प्रसादी का लाभ लेने की अपील की है।

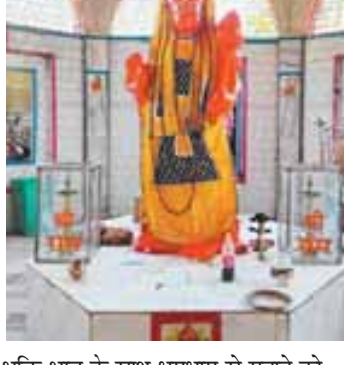

प्लास्टिक से बनी सामग्री के उपयोग पर प्रतिबंध- समिति के मनोज कोकाश एवं रिंकू किलेदार ने बताया पर्यावरण संरक्षण के लिए हनुमानडोल मंदिर परिसर में हनुमान जन्मोत्सव पर होने वाले भंडारा प्रसादी में सिंगल यूस प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाएगा। ऐसी ही व्यवस्था परिसर में विभिन्न अवसरों पर संस्थाओं के अलावा व्यक्तिगत तौर पर होने वाले भंडारा आदि आयोजन में भी सिंगल यूस प्लास्टिक सामग्री के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। समिति के अजय दुबे एवं डॉ. नितिन देशमुख ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व 11 अप्रैल शुक्रवार को प्रातः सात बजे से सुबह दस बजे तक मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई की जाएंगी। उन्होंने सेवाभावी लोगों से अभियान में शामिल होने की अपील की है।

हनुमान जयंती पर यातायात व्यवस्था में रहेगा बदलाव, भारी वाहनों की एंट्री बंद, कई रूट डायवर्ट

बैतूल। शनिवार 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर शोभायात्रा और चल समारोह आयोजित किया जाएगा। इसे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। यातायात पुलिस ने दोपहर 2 बजे से आयोजन की समाप्ति तक शहर में कई मार्गों को प्रतिबंधित और डायवर्ट करने की घोषणा की है। जिसके तहत फॉरेस्ट नाका सोनाघाटी, तितली चौराहा, बडोरा चौक, नगर प्रवेश द्वार गौठाना और हमलापुर वाइन शॉप से भारी, मध्यम और ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। वहीं कई महत्वपूर्ण मार्गों को नो व्हीकल जोन घोषित किया है। इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के वाहन की अनुमति

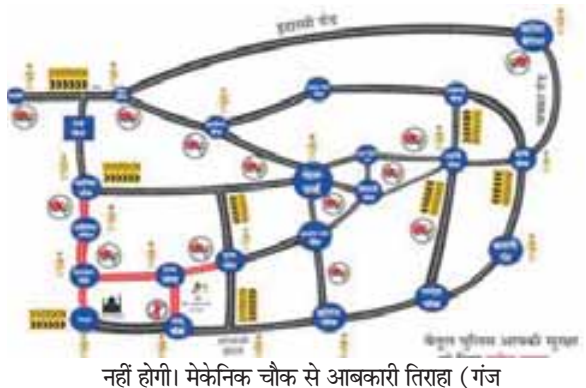

नहीं होगी। मेकेनिक चौक से आबकारी तिराहा (गंज वर्मा चौक), गुप्ता मॉल से दिलबहार चौक, बाबू चौक से टांगा स्टैंड, कांतिशिवा चौक से कश्मीरी चौक तक का पूरा गंज क्षेत्र नो-व्हीकल जोन रहेगा। शोभायात्रा के दौरान शाम 4 बजे से आयोजन की समाप्ति तक कई मार्गों पर यातायात डायवर्ट रहेगा। माचना ब्रिज सदर, मेकेनिक चौक (भगत सिंह चौक), गुप्ता मॉल, श्री कृष्णा होटल के पास से कॉलेज चौक, हाउसिंग बोर्ड मार्ग (एचपी गैस एजेंसी गंज) होंगे प्रभावित। बडोरा क्षेत्र से रामनगर अंडर ब्रिज के जरिए आने वाले वाहन सदर ओवरब्रिज से गेंदा चौक होकर शहर में प्रवेश कर सकेंगे। गंज बाजार क्षेत्र की ओर आने वाले वाहनों को शाम 4 बजे से उपरोक्त परिवर्तित मार्ग स्थानों से वैकल्पिक मार्ग की ओर परिवर्तित किया जायेगा। शोभायात्रा चल समारोह के दौरान शाम 4 बजे से गंज बस स्टैंड में आने वाली यात्री बस मैकेनिक चौक तक संचालित हो सकेगी।

अपहरण एवं हत्या में फरार आरोपी 17 वर्षों बाद देवास पुलिस की गिरफ्त में

देवास। ऑपरेशन हवालात के तहत देवास पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपहरण एवं हत्या संबंधी सनसनीखेज प्रकरण में 17 वर्षों से कानूनी शिकंजे से दूर फ़रार आरोपी को गिरफ्त में लिया।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि तीन आरोपियो में अन्य दो आरोपी 2010 में आजीवन 10 में आजीवन कारावास से दण्डित किए जा चुके हैं मगर तीसरा अभियुक्त 17 वर्षों से कानूनी शिकंजे में दूर था ।

2008 में आरोपीयो, मानसिंह पिता समंदर सिंह राजपूत निवासी पिपलियाखुर्द भौरासा 2 ज्ञानसिंह पिता रामसिंह राजपूत निवासी ग्राम बोलासा भौरासा अंबरीश पिता कालीचरण राजोरिया निवासी ग्राम रासनोल थाना मी जिला भिंड उक्त तीनो ने मिलकर बागली थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की अपहरण करने के पश्चात गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी और उसकी डेड बॉडी को जंगल में फेंक कर भाग गए थे। जिस पर से थाना बागली में अपराध क्रमांक 76/2008 धार 364,365,302,34 भादवि एवं 3(2)(V) SC/ST Act को अपराध पंजीचद्ध कर विवेचना में लिया गया। दो आरोपी वर्ष 2008 में ही गिरफ्तार किए जा कर माननीय न्यायालय पेश किया गया था, जिन्हें 2010 में माननीय विशेष न्यायालय देवास द्वारा आजीवन कारावास एवं जुर्माना की सजा से दंड दिया गया था ।

उक्त प्रकरण का मुख्य मास्टरमाइंड एक आरोपी वर्ष 2008 से चकमा देकर लगातार फरार चल रहा था रहा था, आरोपी अपने निवास स्थान पर न रहकर अज्ञात स्थान पर रहने लगा, जिसकी तलाश पुलिस ने विभिन्न स्थानों दिल्ली, मुंबई, गुजरात महाराष्ट्र, आगरा, ग्वालियर, भोपाल, उज्जैन आदि स्थान पर तलाश करने के पश्चात लगातार तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र की सहायता में आरोपी को गिरफ्तार किया ।

आरोपी लगातार अपने को पुलिस से बचाने के लिए एवं कार्यवाही से बचने के लिए कई मोबाइल एवं अलगअलग सिम का उपयोग कर एवं एक निश्चित स्थान पर न रहकर अपना निवास स्थान बदलकर रह रहा था ।

आरोपी अमरीश-पिता कालीचर राजोरिया जाति ब्राह्मण उम्र साल निवा 59सी ग्राम रासनोल थाना गोहद जिला भिंड की गिरफ्तार करने के बाद आरोपी कब्जे से चार मोबाइल प्राप्त हुए है आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

जिला पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद महोदय के द्वारा सम्पूर्ण जिले में 2024 नवम्बर - ऑपरेशन हवालात की शुरूआत की गई है। जिसके अंतर्गत लंबे समय से फरार इनामी बदमाश एवं साथ ही गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में माननीय न्यायालय बागली से अपराध क्रमांक 76/2008 धारा 364.365.302 भादवि अतिरिक्त में पुलिस अधीक्षक महोदय कन्नौद सौम्या जैन, अनुविभागीय अधिकारी बागली सुश्री सृष्टि भार्गव के मार्गदर्शन में (पुलिस), थान प्रभारी बागली मनीषा दागी के नेतृत्व में चौकी प्रभारी उपेन्द्र नाहर ने आपरेशन हवालात के तहत विशेष टीम गठित की थी आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों और विश्वशनीय सूचना पर आरोपी की धरपकड़ हेतु टीम के साथ रवाना होकर टीम ने 09.04.202 सफलता पूर्वक फरार स्थाई वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया जिसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करेंगे।

ऑपरेशन हवालात के तहत जिलास्तरीय गठित विशेष टीम एवं थाना बागली के समन्वित प्रयास के फलस्वरूप आरो को गिरफ्तार किया गया। उक्त सराहनीय कार्य हेतु पुलिस अधीक्षक देवास ने पुरी टीम को हजार रूपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि देवास पुलिस द्वारा ऑपरेशन हवालात के तहत 1 नवम्बर 2024 आज दिनांक तक 152 वर्ष के 163,10 वर्ष के 5, 1 5वर्ष के 13 एवं से अधिक वर्ष के 1510 कु 338 फरार गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया जा चुका है जिन पर कुल/स्थाई/64,000/- रुपए क ईनाम उद्घोषित था।

नगरपालिका की बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम। शासन की योजना का लाभ सतत मिलता रहे यह प्रयास मुख्य नगरपालिका अधिकारी के निरंतर जारी हैं। साथ ही नगरपालिका को आय के संबंध में आत्मनिर्भर बनाने का सीएमओ द्वारा प्रयास किया जा रहा हैं। इस कार्य को ओर अधिक गति प्रदान करने के लिए लगातार राजस्व शाखा की बैठक लेकर उन्हें निर्देश दिए जा रहे हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा बुधवार को राजस्व शाखा की बैठक लेकर संपत्ति कर सहित अन्य कर वसूलने के एआरआई को सख्त निर्देश दिए गए हैं। साथ ही ई केवायसी को भी समय सीमा में पूर्ण करें। ई-नगरपालिका 2.0 के तहत आनलाइन कार्य करें। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा राजस्व शाखा की बैठक ली गई। जिसमें समस्त एआरआई उपस्थित रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि दैनिक बाजार बैठकी तहबाजारी अर्द्रवार्षिक शुल्क 1825/- रहेगा। कोई भी पथविक्रेता साल भर का तहबाजारी शुल्क जमा करना चाहे तो वह कर सकता है। साथ ही नवीन कालोनी में संपत्ति कर का असिस्मेंट दर निर्धारण करने हेतु एआरआई को 15 दिवस का समय दिया गया है। सीएमओ श्रीमती पटले ने निर्देश दिए कि ई-नगरपालिका 2.0 के तहत सभी कार्य आनलाइन करें। जिसमें प्रमुख रूप से टैक्स भी आनलाइन प्राप्त कर जमा करें। ई केवायसी का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कार्य में लापरवाही करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्पिक मैक द्वारा आयोजित डांस वर्कशॉप का समापन

नर्मदापुरम। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्पिक मैके के तत्वावधान में तपोभूमि संगीत महाविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय मेगा डांस एवं म्यूजिक वर्कशॉप का भव्य समापन हुआ। इसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कत्थक नृत्यांगना कुमारी अस्मिता आइच के निर्देशन में विद्यार्थियों ने शास्त्रीय कला की बारीकियाँ आत्मसात की.. समापन समारोह में विद्यार्थियों ने राग मल्हार और राग बहार पर आधारित कत्थक नृत्य प्रस्तुतियां संगति तबला लहरियों के साथ दी गई। कार्यक्रम में कुमारी अस्मिता आइच की कत्थक प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. बबीता राठौर डिप्टी कलेक्टर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी तथा डॉ. विनीता अवस्थी सेवानिवृत्त प्रोफेसर, प्रतिष्ठित साहित्यकार अशोक जमनानी, आर.के. चौकसे प्राचार्य शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, डॉक्टर बी एल राय प्रोफेसर ज्योग्राफी नर्मदा महाविद्यालय, स्कूल डायरेक्टर्स श्रीमती जूही चटर्जी एवं डॉ. आशीष चटर्जी कार्यक्रम में अन्य गणमान्य शामिल थे। मंच संचालन का श्रीमती अंजुली चौबे एवं श्रीमती महिंदर कौर ने किया। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि आभार प्रदर्शन उप-प्राचार्य श्रीमती लक्ष्मी पलोहिया द्वारा किया गया। समारोह में समस्त पालक गण एवं विद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थित रही।

वडोदरा में हाटकेश्वर द्वादश मंत्र स्तोत्र का लोकार्पण आज

वडोदरा। भगवान हाटकेश्वर महादेव का प्राकट्योत्सव वडोदरा एयरपोर्ट रोड स्थित, पंड्या हाल में 11 अप्रैल संध्या को आयोजित है। इस मंगल बेला पर, प्रख्यात एंटी-एजिंग वैज्ञानिक और सनातन धर्म के प्रखर अध्येता, डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास द्वारा संस्कृत में रचित भगवान हाटकेश्वर महादेव के द्वादश मंत्र स्तोत्र का लोकार्पण होगा। यह कार्य किरीट भाई एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा। डॉ. व्यास भूत भवन हाटकेश्वर के दिव्य महत्व पर अपना संबोधन भी देंगे।

उल्लेखनीय है कि भगवान हाटकेश्वर महादेव के सभी देवालयों में प्राकट्योत्सव का मंगल आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।भूत भावन भगवान हाटकेश्वर महादेव का विश्व प्रसिद्ध मंदिर वड़नगर, गुजरात में स्थित है, जो भक्तों के लिए एक प्रमुख आस्था का केंद्र है। डॉ. व्यास का यह स्तोत्र हाटकेश्वर भक्तों और संस्कृत साहित्य प्रेमियों, नागर ब्राह्मणों के लिए एक अनुपम भेंट होगी।

भाजपा सक्रिय सदस्य सम्मेलन में सांसद माया नारोलिया ने पीएम के 11 वर्षीय कार्यकाल पर विचार व्यक्त किए

सोहागपुर। आज भाजपा का सक्रिय सदस्य सम्मेलन नगर पंचायत मंगल भवन में राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजो मालवीय,पूर्व विधायक सविता दीवान, जिला भाजपा महामंत्री प्रसन्न हर्णे, भरतसिंह राजपूत आदि मंचासीन थे।इस अवसर पर मुख्य वक्ता राज्य सभा सांसद माया नारोलिया ने 'मोदी जी के 11 वर्ष' पर उद्बोधन दिया। आपने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने संसद की सीढ़ी पर माथा टेका था। उसके बाद प्रधानमंत्री ने निरंतर भारत का विश्व में मान बढ़ाया है। सम्मेलन को कई वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्र को एकसूत्र में जोड़ने का कार्य किया है। भाजपा का सत्ता में आना सबल भारत राष्ट्र स्थापना की राह बना है। इसी संदर्भ में कई वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुटता के साथ राष्ट्र विकास के लिए काम करने की सीख दी। कार्यक्रम का संचालन राजेश शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल, कृष्ण पालीवाल, वरिष्ठ वकील जेपी माहेश्वरी, नपा उपाध्यक्ष आकाश पटैल, सुरेश पटैल, रंजना मीणा, भाजपा सोहागपुर मंडल अध्यक्ष अश्विनी सरोज, शोभापुर मंडलाध्यक्ष प्रदीप ठाकुर, सेमरी मंडलाध्यक्ष योगेश मालवीय,,रवि उसके, वंदना मेहरा,पुष्पा वर्मा,संध्या नागवंशी,सुधा श्रीवास, आदि उपस्थित थे। इस सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में सोहागपुर, सेमरी हरचंद तथा शोभापुर मंडलों के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।। इसके पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

एम्स भोपाल को नवीनतम खाद्य गुणवत्ता निगरानी हैंड बैंड के लिए पेटेंट प्राप्त

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संस्थान में शैक्षणिक श्रेष्ठता और ज्ञान के आदान-प्रदान को एक प्रेरक परंपरा के रूप में विकसित कर रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा एक अभिनव आविष्कार – खाद्य गुणवत्ता निगरानी हैंड बैंड – के डिज़ाइन हेतु पेटेंट प्रदान किया गया है, जो खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल के रूप में देखा जा रहा है। स्मार्टवॉच की तरह कलाई पर पहना जाने वाला यह उपकरण एम्स भोपाल के आयुष विभाग के डॉ. दानिश जावेद द्वारा परिकल्पित किया गया है, जो भोजन के उपभोग के दौरान उसकी गुणवत्ता का तात्कालिक विश्लेषण करता है। इस हैंड बैंड में डिप-स्ट्रिंग सेंसर लगाया गया है, जो भोजन के संपर्क में आने पर हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस या अन्य प्रदूषकों की तुरंत पहचान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, इसमें एक गैस सेंसर भी सम्मिलित है, जो भोजन की गंध का विश्लेषण कर उसके खराब होने की स्थिति का आकलन करता है। इस उपकरण में विजुअल और वाइब्रेशन अलर्ट सिस्टम शामिल हैं, जो उपयोगकर्ता को संभावित स्वास्थ्य जोखिमों की त्वरित सूचना देते हैं, जिससे समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा, इसकी वॉटरप्रूफ व कॉम्पैक्ट डिज़ाइन इसे उपयोगकर्ता के लिए सुविधाजनक, आसानी से साफ करने योग्य एवं रोज़मर्रा के उपयोग हेतु उपयुक्त बनाती है।

इस उपलब्धि पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा-यह पेटेंट एम्स भोपाल में नवाचार की सुदृढ़ होती संस्कृति का प्रमाण है। खाद्य गुणवत्ता निगरानी हैंड बैंड केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि निवारक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम भी है। यह उस ट्रांसलेशनल रिसर्च के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ जनस्वास्थ्य और सुरक्षा को मिलता है। मैं डॉ. दानिश जावेद एवं आयुष विभाग को इस सराहनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।यह नवाचार उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो सकता है जो अपने दैनिक जीवन में खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।

सर्वधर्म मिलन समारोह संपन्न

नरसिंहपुर। सच्चिदानंद आश्रम नरसिंहपुर में सर्वधर्म मिलन समारोह 10 अप्रैल 2025 को मनाया गया सर्वप्रथम एकता स्तंभ पर समस्त धर्म चिन्हों पर अतिथियों के द्वारा फूल अर्पित किया गया इस कार्यक्रम में ईद उल फितर रामनवमी महावीर जयंती बैसाखी गुड फ्राइडे आदि सर्व धर्म के त्योहारों को एक साथ मिलकर मनाया गया जिसमें प्रार्थना गीत प्रियांशी पुरोहित स्वागत उद्बोधन फादर एंटो कव्वाली श्री सुधीर दुबे ईद उल फितर पर उद्बोधन श्री हबीब खान श्रीमती कामिनी दुबे श्री राम भजन, उद्बोधन श्रीमती प्रतिमा राजवैद्य , सर्वधर्म संभाव पर नाटिका चावरा विद्यापीठ के छात्रों के द्वारा निर्देशन हेमवीर साहनी, उद्बोधन डॉ सुधीर सिंघई अध्यक्ष समन्वय परिवार, भगवान महावीर पर भजन कृष्णकांत चौबे एवं उद्बोधन श्रीमती रिचा जैन शिक्षिका चावरा विद्यापीठ बैसाखी पर गीत सुनील चौहान, उद्बोधन फादर जैकब इंदौर, बैसाखी पर उद्बोधन श्रीमती हरप्रीत कौर गुरु सिंघ सभा, नृत्य प्रस्तुत श्रीमती रिचा एंजिला टोपो एवं श्रीमती मेरलिन, उद्बोधन प्रियांशी राय, गीत अनीश पी एन शिक्षक चावरा विद्यापीठ, गुड फ्राइडे उद्बोधन श्री अजमीर टोपो शिक्षक, गीत प्रदीप पुरोहित उद्बोधन एडवोकेट तराना खान, नृत्य प्रस्तुत एंजल एवं ग्रुप संचालन श्री हेमवीर साहनी ने किया इस अवसर अजय नेमा मुकेश मानसाता सुबोध शर्मा नरसिंह दास राजेश तिबारी मदन भाई एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महावीर स्वामी जयंती पर समग्र जैन समाज का चल समारोह निकला

मंदिरों में भगवान के अभिषेक हुए, स्थानकों में हुए धर्म उपदेश

धार। भगवान महावीर स्वामी की जयंती पर समग्र जैन समाज का चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से निकला। जुलूस में दिगंबर, श्वेतांबर समाज के सभी घटक के महिला, पुरुष व बच्चे शामिल हुए। चल समारोह समापन के पश्चात मंदिरों में भगवान अभिषेक हुए और स्थानक में धर्म उपदेश भी हुए। चल समारोह में भगवान के दो रथ भी आगे आगे चल रहे थे। स्थान-स्थान पर भगवान की आरती उतारी गई। कई स्थानों पर शीतल जल की व्यवस्थाएं भी धर्म बंधुओं ने की थी। मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने बताया की जुलूस में महिलाएं केसरिया वस्त्र व पुरुष सफेद वस्त्र धारण किए हुए थे। दिगंबर जैन शांतिनाथ मंदिर में अभिषेक के दौरान भगवान के अभिषेक करने की दो बोली का लाभ सुरेशचंद्र रूपेश कुमार बड़जात्या एवं शिवानी विजय कुमार रावका ने लिया। जुलूस में बड़ी संख्या में शामिल महिलाएं वह पुरुष महावीर स्वामी के उपदेश अहिंसा का नारा जोर-जोर से लगा रहे थे। संध्या को मांगतुगगिरी तीर्थ पर भगवान के अभिषेक एवं शांति धारा हुई। यहां पर भगवान महावीर को पालना झूलने के लिए नए पालना लाया गया जिसकी बोली का लाभ जेनिशा ग्रुप को मिला। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने धर्म बंधु का स्वागत किया। आभार सचिव संजय छाबड़ा ने माना। अतिथियों का स्वागत प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष नरेश गंगवाल ने किया।

जिले के ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हो रहे दीवार लेखन

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने किया जा रहा प्रेरित

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर प्रदेश सहित जिले में 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं मप्र जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में दीवार लेखन कर ग्रामीणों को जल के प्रति जागरूक करने के लिए संदेश दिया जा रहा है। इससे लोगों में जागरुकता आएगी तथा वे स्वयं अपने आसपास तथा घरों में पानी की बचत करेंगे और जल दुरूपयोग नहीं करेंगे। यह सभी लोगों के लिए अत्यंत आवश्यक है कि सभी मिलकर जल का संरक्षण करें। इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था व ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा गोटेगांव विकासखंड के ग्राम मनकवारा, विकासखंड करेली के ग्राम कपूरी, ग्राम बुढ़ैना, ग्राम नकटुआ सहित विभिन्न ग्रामों में दीवार लेखन का कार्य किया गया। ग्राम कपूरी में ग्रामीणों को जल संरक्षण व संवर्धन के प्रति सकारात्मक भाव और जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से दीवार लेखन किया

जा रहा है। लोगों को जल के महत्व एवं उनके समुचित उपयोग के साथ उसके संरक्षण व संवर्धन हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान नवांकुर संस्था समन्वयक श्री विजय चौधरी एवं समिति के सदस्य और ग्रामीण मौजूद थे। इसी तरह नवांकुर संस्था व यू-साथी सेवा समिति के तत्वाधान में ग्राम नकटुआ में जल के प्रति जन जागरूकता कार्य के लिए दीवार लेखन का कार्य किया गया। इस दौरान लोगों को जल का महत्व और उसके संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नवांकुर संस्था की सचिव श्रीमती तृप्ती पारे एवं स्थानीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। ग्राम बुढ़ैना में नवांकुर संस्था कोदरासकला, गोरखपुर सेक्टर के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा सार्वजनिक कुओं की साफ- सफाई और जन जागरूकता के लिए दीवार लेखन कार्य का कार्य किया गया। इस दौरान नवांकुर संस्था के सचिव श्री सुकदेव प्रसाद डेहरिया, अध्यक्ष व प्रस्फुटन समिति बुढैना के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

जिले में तुअर फसल उपार्जन के लिए 20 अप्रैल तक करा सकेंगे किसान पंजीयन

नरसिंहपुर। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत खरीफ वर्ष- 2024 (विपणन वर्ष 2024- 25) में तुअर फसल के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन ई- उपार्जन पोर्टल पर 20 अप्रैल 2025 तक किया जायेगा। जिले में किसान पंजीयन के लिए 21 केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि तुअर फसल उपार्जन के लिए किसान करेली तहसील के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित केरपानी- सरसला एवं वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था आमगांवबड़ा में, गाडरवारा तहसील के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित खुलरी, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित गाडरवारा, सेवा सहकारी संस्था चीचली, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बोहानी एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर, गोटेगांव तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था मर्यादित करकबेल, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर एवं प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बरहटा, तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था तेंदूखेड़ा, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था डोभी एवं प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलगुवा, नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था नरसिंहपुर, सेवा सहकारी संस्था मुगवानी- पठापिपरिया, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित नयागांव, सेवा सहकारी समिति बचई- करहैया एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मुर्गाखेड़ा और सांईखेड़ा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था आड़ेगांव एवं सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा को पंजीयन केन्द्र बनायें गये हैं। इसके अतिरिक्त किसान ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र और एमपी किसान एप के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेंटर- कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र एवं सायबर कैफे में जाकर सशुल्क देकर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

11 अप्रैल को निकाली जायेगी 751 जवारों की भव्य शोभायात्रा

नरसिंहपुर। सदर मढ़िया के जवारों की भव्य शोभायात्रा 11 अप्रैल को विभिन्न मार्गों से निकाली जायेगी। उल्लेखनीय है कि चैत्र नवरात्र पर्व पर सदर मढ़िया में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 751 जवारों की स्थापना की गई है। जवारों की भव्य शोभायात्रा में जिले एवं आसपास से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। यह जवारों का भव्य जुलूस 11 अप्रैल को निकाला जायेगी। यह शोभायात्रा सदर मढ़िया प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर पालिका चौराहा, शुभाष चौराहा, चौपाटी के सामने से होते हुए कठल पेट्रोल पम्प, गुरूद्वारा चौराहा, सुनका चौक, एलआईसी ऑफिस के सामने से होते हुए मैन रोड के राम मंदिर, सिंहपुर तिराहा होते हुए सुभाष चौराहा में समाप्त होगी।

आवश्यकतानुसार वैकल्पिक यातायात व्यवस्था- जवारों की शोभायात्रा सुबह 7 बजे से निर्धारित किया गया है। यह पूरे दिन नगर में भ्रमण करेगा, जिसमें अत्याधिक संख्या में शहर तथा आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यकतानुसार वैकल्पिक यातायात व्यवस्था की गई है। शोभायात्रा के दौरान सदर मढ़िया से आशीष अस्पताल, नगर पालिका, चौराहा, सुभाष चौक, चौपाटी तिराहा, गुरूद्वारा चौक, सराफा मार्केट, सुनका तिराहा, पुत्री शाला, राम मंदिर, सिंहपुर तिराहा, शनिचरा चौक, हरेराम धर्मशाला मार्ग पर यातायात का अत्याधिक दबाव रहेगा। पुलिस प्रशासन द्वारा नागरिकों की सहूलियत के लिए वैकल्पिक मार्ग नियत किया है। कार्यक्रम दौरान सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। प्रातः 7 बजे से लगभग दोपहर 2 बजे तक नगर पालिका चौक से सुभाष चौक तक मार्ग पूर्णतः बंद रहेगा। इस दौरान गांधी चौक की ओर से आने वाले वाहनों और नागरिकों के लिए यातायात स्टेडियम ग्राउंड, पोस्ट ऑफिस, सतीश टाकीज होते हुए मैन रोड आवागमन कर सकते हैं। दोपहर लगभग 12 बजे से शाम 4 बजे तक अष्ठांग चिकित्सालय से सुभाष पार्क की ओर आने वाले वाहन इतबारा बाजार से होते हुए नगर पालिका चौक से आगे आशीष अस्पताल या गांधी चौक तरफ जा सकेंगे। दोपहर लगभग 12 बजे से शाम 5 बजे तक सुनका चौक से चौपाटी तिराहे की ओर आने- वाले वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। इस दौरान सुनका चौक से बाहरी रोड हुए यातायात सुचारू रहेगा। दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक मुशरान पार्क से पुत्री शाला, सिंहपुर चौराहा होते हुए सुभाष चौक तक सभी प्रकार के वाहनों के लिए मार्ग प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान मुशरान पार्क से पुलिस लाइन होते हुए, सांकल तिराहा, इतबारा बाजार, सुभाष चौक की ओर वाहनों के लिए मार्ग सुचारू रहेगा। पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और यातायात व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात दूरभाष नंबर 9977080404 एवं कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 7587646110 पर जानकारी दे सकते हैं।

॥ मंदिरम् ॥

80

नासिक मुक्तिधाम मंदिर

नासिक मुक्तिधाम मंदिर एक लोकप्रिय हिंदू मंदिर है जो महाराष्ट्र के प्राचीन शहर नासिक में स्थित है, जो शहर के केंद्र से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह आश्चर्यजनक मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृति होने के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर में भगवान विष्णु, लक्ष्मी, राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान, दुर्गा और गणेश सहित सभी प्रमुख हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ भी हैं। मंदिर में कुछ संतों की मूर्तियाँ भी हैं। एक स्थानीय उद्योगपति, श्री जेडी चौहान-बिटको (दिवंगत) ने मुक्तिधाम मंदिर के निर्माण में मदद के लिए धन दान दिया। मंदिर का संचालन निजी तौर पर जेडी चौहान-बाइटको ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। यह मंदिर नासिक की सड़कों पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है।

गडकरी बोले- उज्जैन सांसद का वजन बढ़ा, सड़कें वापस लेंगे

केंद्रीय मंत्री ने फिरोजिया को वजन कम करने चैलेंज दिया था; रोप-वे भूमिपूजन में शामिल होंगे मोदी

उज्जैन (नप्र)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 23 फरवरी 2022 को उज्जैन में एक कार्यक्रम के दौरान मंच से सांसद अनिल फिरोजिया को चैलेंज दिया था कि वो अपना वजन कम करें। जितने किलो वजन घटाएंगे उतने हजार करोड़ रुपए शहर के विकास के लिए दिए जाएंगे। इसके बाद फिरोजिया ने 32 किलो वजन कम कर लिया था। लेकिन उनका फिर से वजन बढ़ने के बाद गडकरी ने वजन कम करने के एवज में दी सड़कों की सौगात वापस लेने की बात कही है।

गडकरी ने सभी को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने की बात कही। उन्होंने बदनावर में उज्जैन-बदनावर सड़क के लोकापर्ण के दौरान कहा कि मै जब उज्जैन में आया था तब मैंने अनिल फिरोजिया जी को कहा था की वजन कम करो जितना कम करोगे उतना पैसा दूंगा, लेकिन अब वजन बढ़ रहा है तो दिए हुए रोड वापस ले जाने का काम करना पड़ेगा।

इसके बाद गडकरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं मजाक कर रहा हूं मेरा भी वजन 135 किलो था अभी 89 किलो है, 46 किलो कम किया है। हेल्थ अच्छी होनी चाहिए। अगर हेल्थ अच्छी होगी तो आप किसी भी ताकत का मुकाबला कर सकते है। मध्य प्रदेश में इसी साल हम तीन लाख करोड़ रुपए के इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम पूरा करके देंगे। रेलवे स्टेशन से महाकाल तक बनने वाले रोप वे का भूमि पूजन पीएम मोदी करेंगे। हमने उनसे रिक्वेस्ट की है वे आयेंगे और भूमि पूजन करेंगे।

पीएम मोदी ने भी कहा था अभी और वजन कम करना है

11 अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी 'महाकाल लोक' का लोकार्पण करने उज्जैन पहुंचे थे। उनके स्वागत के लिए हेलीपेड पहुंचे सांसद अनिल फिरोजिया से पीएम ने वजन कम करने को लेकर बात की थी। सांसद ने बताया था कि उन्होंने अब तक कुल 32 किलो वजन कम किया है। जिस पर पीएम ने सांसद की तारीफ भी की और कहा कि अभी और करना है। सांसद ने मेहनत कर उस दौरान अपना वजन कम किया था। लेकिन एक बार फिर उनका वजन बढ़ने लगा है। जो करीब 109 किलो के आसपास हो गया। और आज इसीलिए गडकरी ने उन्हें मंच से वजन कम करने की सलाह दी।

सांसद फिरोजिया ने कहा गडकरी जी ने जो कहा था वो किया। एक किलो कम करने पर एक हजार करोड़ दिया। आज उन्होंने करीब 3 हजार करोड़ की उज्जैन-झालावाड़ फोरलेन की सौगात दी है जो 134 किमी की है। ये सही है कि चुनाव के बाद मेरा वजन बढ़ा है। कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक ने आरोप लगाया था की मैने वजन ऑपरेशन से कम किया है। उन्हें चेक करने का कहा था। अभी 12 किलो वजन बढ़ गया है। मै उसे दो महीने में कम करके दिखा दूंगा। अगर ऑपरेशन किया होता तो वजन बढ़ता नहीं। मैने वजन बढ़ाकर दिखाया की मैने ऑपरेशन से कम नहीं किया था।

सीएम करेंगे बिजली व वोल्टेज की शिकायतों का रिव्यू

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में बिजली सप्लाई न होने की शिकायतों और वोल्टेज को लेकर हो रही कम्प्लेन का रिव्यू करेंगे। यह रिव्यू समाधान ऑनलाइन के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही इस माह के अंतिम सप्ताह में होने वाली समाधान ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना एवं प्रसूति सहायता का रिव्यू करेंगे। साथ ही गृह विभाग की एफआईआर लिखने में देरी संबंधी शिकायतों की समीक्षा की जाएगी।

अप्रैल के अंतिम हफ्ते में होने वाली वर्चुअल बैठक के लिए एजेण्ड तय कर दिया गया है। जिसमें राजस्व विभाग के खसरा ऑनलाइन अपडेट करने में हो रही देरी पर भी चर्चा होगी। साथ ही राजस्व विभाग के नामांतरण एवं बंटवारे से संबंधित प्रकरण भी चर्चा में रहेंगे। ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत द्वारा सामग्री खरीदी एवं अन्य भुगतानों से जुड़े आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। समाधान ऑनलाइन में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की नलजल योजनाओं से संबंधित आवेदन एवं सभी विभागों के सीएम हेल्पलाइन में सौ दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी।

तीन मंजिला बिल्डिंग में आग, 5 सिलेंडर फटे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के खासगी बाजार में एक इमारत में आग लग गई। इसकी चपेट में आकर एक के बाद एक 5 एलपीजी सिलेंडर फटे। आग बुझाने की कोशिश कर रहे दो फायर ब्रिगेड कर्मी घायल हो गए। उन्हें जय आरोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा तीन मंजिला कलां गोपाल बिल्डिंग में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे हुआ। आग बेसमेंट में चल रहे धागा बनाने के कारखाने से शुरू हुई। धागा बनाने के सामान से आग तेजी से फैली और दूसरे-तीसरे फ्लोर के पांच फ्लैट्स को चपेट में ले लिया। पता चलते ही लोग बिल्डिंग से बाहर की तरफ भागे। पुलिस और दमकल को सूचना दी। आग बुझाने के लिए एयरफोर्स की फायर ब्रिगेड भी बुलानी पड़ी। सुबह करीब 8 बजे लपटों पर काबू पाया जा सका। अधिकारियों ने कहा- फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है। हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी हो सकती है।

रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में आग

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर जोन-2 में रेल ट्रैक किनारे झाड़ियों में आग लग गई। गुरुवार दोपहर में आग लगी, जिसे दमकलों की मदद से बुझाया जा सका। जिस जगह आग लगी, उससे करीब 100 फीट की दूरी पर ही ट्रेन खड़ी थी। इधर, दाना पानी इलाके में भी आग लगने की सूचना पर दमकल मौके पर पहुंची। यहां ट्रांसफॉर्मर में आग लगी थी। आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन कोई जलती हुई वस्तु फेंकने से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। फायर ब्रिगेड अगर समय पर नहीं पहुंचती तो आग ज्यादा फैल सकती थी।

आग से पेड़-पौधे झुलसे- आग लगने की वजह से ट्रैक किनारे सैकड़ों पेड़-पौधे झुलस गए। कई पेड़ तो पूरी तरह से जल गए। बता दें कि पिछले साल ही रेलवे ने रेल ट्रैक और गौतम नगर की मेन रोड किनारे बाउंड्री वॉल बनवाई थी। पिछले साल भी यहां पर आग लगी थी।

नदी में गिरी स्कॉर्पियो, 4 की मौत, 2 गंभीर

शव निकालने के लिए सब्बल से तोड़ना पड़ा गाड़ी का गेट

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर से करीब 45 किलोमीटर दूर सोमती नदी में तेज रफ्तार एसयूवी पुल से गिर गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सभी लोग चरगंवा से जबलपुर आ रहे थे।

हादसे की जानकारी मिलते ही चरगंवा थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्कॉर्पियो में फंसे लोगों का रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने कार की बॉडी को सब्बल से फैलाया और अंदर फंसे दो लोगों को बाहर निकाला। दोनों घायल बोलने की हालत में नहीं थे। इनमें मनोज प्रताप पुत्र गोविंद पटेल (35) निवासी चौकीताल और जितेंद्र पुत्र नारायण पटेल लोधी (36) निवासी चौकीताल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी मृतक भी भेड़ाघाट थाने के चौकीताल गांव के ही रहने वाले थे। घटना की जानकारी पुलिस ने मृतकों के परिजन को दे दी है।

कार में कुल 6 लोग सवार थे, बकरा भी था

चरगंवा थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी ने बताया कि गुरुवार की दोपहर को एक सफेद स्कॉर्पियो में सवार 6 लड़के चरगंवा से जबलपुर जा रहे थे। जैसे ही कार सोमती नदी के पास पहुंची, तभी अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद चारों शवों को बाहर निकाला गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतकों की कार में एक बकरा भी था, जो जीवित है।

हादसे में इनकी गई जान

- किशन पटेल पिता गुलजारीलाल पटेल (35)
- महेंद्र पटेल पिता तीरथ पटेल (35)
- सागर पटेल पिता राजेश पटेल (17)
- राजेंद्र पटेल पिता नारायण पटेल (36)

प्रत्यक्षदर्शी बोले- अचानक तेज आवाज आई

प्रत्यक्षदर्शी रामकुमार ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तेज रफ्तार कार जबलपुर की तरफ जाती दिखी थी, अचानक तेज आवाज आई। गांव के लोग दौड़कर पुल के पास पहुंचे तो देखा कि कार पुल से 30 फीट नीचे गिरी है। गांव के लोगों ने तुरंत ही पुलिस और 108 को सूचना दी। कुछ ही देर बाद मौके पर पुलिस पहुंची। जिनके साथ मिलकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

आज प्रधानमंत्री शुक्रवार को ईसागढ़ के आनंदपुर धाम आयेंगे

गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप शुक्रवार को मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर धाम आएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे और आनंदपुर धाम स्थित मंदिर परिसर का भ्रमण भी करेंगे। आध्यात्मिक और पारमार्थिक उद्देश्य से स्थापित आनंदपुर धाम 315 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां आधुनिक गौशाला संचालित है, जिसमें 500 से अधिक गौवंश है। आनंदपुर ट्रस्ट यहाँ कृषि कार्य भी कर रहा है।श्री आनन्दपुर ट्रस्ट ग्राम सुखपुर तहसील ईसागढ़ में 1977 से चैरिटेबल अस्पताल संचालित है। यहां मरीजों के लिए 125 बिस्तरों की व्यवस्था है। अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 600 मरीजों की ओ.पी.डी. संचालित है। यहां एमडी फिजिशियन, डेंटल स्पेशलिस्ट, एमएस जनरल सर्जरी, एम.एस. आर्थोपेडिक, कॉर्डियोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट तथा नेत्रसर्जन पदस्थ है। वर्ष में विशेष स्वास्थ्य शिविर भी यहां आयोजित किये जाते हैं। ट्रस्ट द्वारा आनंद प्राथमिक विद्यालय सुखपुर, आनंद माध्यमिक विद्यालय आनंदपुर तथा आनंद मिडिल स्कूल ग्राम सुखपुर में संचालित हैं, जिसमें 62 शिक्षक-शिक्षिकाएं पदस्थ हैं एवं 1215 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। श्री आनंदपुर ट्रस्ट के अन्य महत्वपूर्ण सत्संग केन्द्र श्री प्रयागधाम जिला पुणे (महाराष्ट्र), श्री आनंदपुर सत्संग ट्रस्ट जम्मू, अमरधाम चैम्बूर मुम्बई (महाराष्ट्र), विवेक धाम बैंगलुरू (कर्नाटक), स्वरूप धाम पथरीताल गोंडा (उ.प्र.), आनंदधाम पंचगुणी जिला सतारा (महाराष्ट्र), आनंदधाम वसंतकुंज (दिल्ली) तथा श्री संतनगर जिला धौलपुर (राजस्थान) में संचालित है।

राज्यपाल ने राजभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गुरुवार को राजभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक-1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन किया और गेती चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमि-पूजन कार्यक्रम राजभवन प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 पर आयोजित हुआ।

राज्यपाल श्री पटेल ने जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य परियोजना की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। कार्य को समय सीमा में पूर्ण करें। राजभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की कुल लागत 66 लाख 32 हजार 900 रुपये है।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरविंद पुरोहित, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री अवनीन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री राकेश निगम और एस.डी.ओ. श्री एल. के. गुप्ता, नियंत्रक हाउस होल्ड राजभवन श्रीमती शिल्पी दिवाकर और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सहकारिता मंत्री सारंग ने करोंद मेट्रो निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

पिलर्स खड़े होते ही 4 महीने में हटेंगे बेरिकेड्स, बोले-बाधाएं दूर करेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करोंद इलाके में मेट्रो के पिलर्स खड़े होते ही 4 महीने में बेरिकेड्स हटा दिए जाएंगे। इससे व्यापारी और राहगीरों की ट्रैफिक से जुड़ी परेशानी खत्म हो जाएगी। गुरुवार को करोंद चौराहे पर मेट्रो का निरीक्षण करने के दौरान मंत्री विश्वास सारंग ने मेट्रो, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और पुलिस को सही व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बता दें कि भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज सुभाषनगर से करोंद के बीच पिछले कई महीने से काम चल रहा है। मिट्टी की टेस्टिंग के बाद अब पिलर्स खड़े किए जाने लगे हैं। कुल 8.77 किमी लाइन बिछाने में 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें 3.39 किमी लंबा रूट अंडरग्राउंड रहेगा। करोंद इलाके में काम के चलते बेरिकेडिंग की गई है। इसके चलते लोगों की मुश्किलें भी बढ़ी हैं। यही कारण है कि गुरुवार को मंत्री सारंग को खुद मैदान में उतरना पड़ा। उन्होंने पूरे रूट का दौरा किया। वहीं, व्यापारी समेत आम लोगों से भी बात की।

मंत्री सारंग ने मेट्रो, नगर निगम, जिला प्रशासन, पीडब्ल्यूडी और पुलिस अफसरों के साथ दौरा किया। उन्होंने बताया, रहवासी और व्यापारियों को दिक्कतें थीं। इसलिए अफसरों से कहा है कि बेरिकेडिंग में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। मेट्रो कॉरपोरेशन टाइम लाइन के साथ कैलेंडर बनाए। पिलर्स ऊपर आते ही 4 महीने में पिलर्स हटा दें।

बेरिकेडिंग में हो रही दिक्कतें- बता दें कि मेट्रो के पियर्स के कार्य के कारण की गई बेरिकेडिंग से आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। मंत्री सारंग ने ट्रैफिक के दबाव को कम करने डक्ट को तोड़ने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू का पुरातात्विक वैभव देखा

धरमपुरी में माँ नर्मदा के दर्शन कर भगवान शिव का अभिषेक कर महर्षि दधिच की प्रतिमा का किया पूजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को माण्डू में रात्रि विश्राम के बाद गुरूवार सुबह माण्डू के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक वैभव को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जहाज महल और हिंडोला महल का भ्रमण किया। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें इन ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विगत रात्रि माण्डू में लाइट एंड साउंड शो के ज़रिए यहां के इतिहास को देखा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक धरमपुरी श्री कालूसिंह ठाकुर तथा अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने देखा खुरासानी इमली का प्राचीन वृक्ष

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू में खुरासानी कोठी परिसर में लगे खुरासानी इमली के प्राचीन वृक्ष को देखा। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्र ने बताया कि माण्डू में खुरासानी के वृक्ष पाए जाते हैं, जिनमें से कुछ 500 वर्ष से भी अधिक प्राचीन हैं। खुरासानी कोठी परिसर के इस वृक्ष का तना 10.85 मीटर व्यास का है। खुरासानी इमली घना छायादार पेड़ होता है। यह पेड़ अपने भीतर सवा लाख लीटर पानी जमा करके रख सकता है। उल्लेखनीय है कि 14वीं शताब्दी में ये पेड़ लगाए गए थे। कई पेड़ यहां पांच-छ- सौ साल पुराने हैं। पर्यटक माण्डू आने की स्मृति के तौर पर माण्डू की इमली खरीदकर ले जाते हैं। कई आदिवासी परिवारों को इसे बेचने से आय हो रही है। मूलतः यह वृक्ष अफ्रीका, अरब और मेडागास्कर पर पाया जाता है। ये पेड़ अति विशाल हैं, इसकी उम्र हज़ारों साल होती हैं। मराठीभाषी क्षेत्रों में इसे गोरखचिंच (चिंच याने इमली) कहकर सन्त गोरखनाथ से इसका पवित्र सम्बंध जोड़ा जाता है।

धरमपुरी में किया माँ नर्मदा का पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी में नर्मदा दर्शन कर पूजन किया। धरमपुरी नर्मदा नदी के किनारे बसा हुआ नगर है। यहाँ नर्मदा नदी की दो धाराओं के बीच बेंट नामक एक टापू स्थित है, जहां श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिर के निकट महर्षि दधिच की प्रतिमा का पूजन किया। पौराणिक मान्यता अनुसार यहां दधिच ऋषि की समाधि एवं तपस्या स्थली भी है। इसी स्थान पर इन्द्र स्वयं आये थे और दधिचि ऋषि से उन्होंने राक्षस के वध के लिये अस्थियां माँगी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर बैंट के हर तरह के संरक्षण के निर्देश अधिकारियों को दिये।